website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 274 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 11 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर सकारात्मक संकेत, विशेषज्ञों ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया का अर्थशास्त्रियों ने स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि दुनिया में यह संदेश जा चुका है कि भारत को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। देश मजबूत है और दूसरे देशों को भी समझने की जरूरत है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार के हिस्से के रूप में भारत की उपेक्षा नहीं की जा सकती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान से संकेत मिलते हैं कि वह सुलह करना चाहते हैं

इकोनॉमिस्ट राजीव साहू ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान से संकेत मिलते हैं कि वह सुलह करना चाहते हैं, जिसका श्रेय विशेष रूप से पीएम मोदी को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने अमेरिका के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और रूस, चीन तथा अन्य देशों के रूप में नए विकल्प तलाशे हैं।

पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 200 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई थी

उन्होंने कहा, "भारत अमेरिकी दबाव में आने के बजाय अडिग रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि अब अमेरिका और भारत दोनों देशों के बीच उचित टैरिफ पर व्यापार समझौते को आगे बढ़ा सकते हैं।" उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत को किसी भी कीमत पर हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इकोनॉमिस्ट प्रबीर कुमार सरकार ने बताया कि दोनों ही देशों के बीच व्यापार वार्ता फरवरी 2025 से शुरू हुई थी। याद हो तो उस दौरान पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप दोनों ही लीडर्स ने द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

भारत के लिए अगस्त में लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ आने वाले समय में कुछ परेशानी बन सकते थे

उन्होंने कहा, "बीते 10 वर्षों में भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी सुधरे हैं। हालांकि भारत के लिए अगस्त में लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ आने वाले समय में कुछ परेशानी बन सकते थे। लेकिन, इस बीच ट्रंप ने मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताया है, जिसके साथ उम्मीद की जा रही है कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता को लेकर कुछ समाधान निकल कर आ जाएं।"

उम्मीद है कि भारत इस व्यापार वार्ता के साथ अपनी निर्यात से जुड़ी परेशानियों को दूर कर देगा

उन्होंने आगे कहा कि उम्मीद है कि भारत इस व्यापार वार्ता के साथ अपनी निर्यात से जुड़ी परेशानियों को दूर कर देगा। इकोनॉमिस्ट गुरुचरण दास ने कहा कि भारत के लिए 50 प्रतिशत टैरिफ को किसी तरह से नीचे लाने की राह तलाशनी चाहिए। ऐसे में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता से देश को लॉन्ग टर्म में काफी फायदा होगा। इजरायल के वित्त मंत्रालय के मुख्य अर्थशास्त्री शमूएल अब्रामजोन ने भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर सकारात्मक खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमें खुशी है कि इजरायल के दो अच्छे सहयोगी और मित्र बातचीत कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में वास्तव में एक विकसित देश बनने की अपार क्षमता मौजूद है

उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर कहा, "मुझे लगता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में वास्तव में एक विकसित देश बनने की अपार क्षमता मौजूद है। देश के पास बहुत सारी बड़ी संपत्तियां, कौशल और एक प्रभावी सरकार है, जो सुधारों को लागू करने में सक्षम है।" ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि अच्छे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के साथ देश वास्तव में मजबूत हो सकता है और भारत को एक विकसित देश बनने में मदद कर सकता है।

नेपाल में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए नेपाली सेना ने कर्फ्यू अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाली सेना ने देश में जारी अशांत स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू की अवधि बढ़ाने की घोषणा की है। सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि वह देश में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कठिन समय में नागरिकों के सहयोग के लिए सेना ने उन्हें धन्यवाद दिया है। साथ ही, हाल के आंदोलन के दौरान हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया।

सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, विभिन्न अराजक तत्व और समूह अभी भी घुसपैठ कर रहे हैं और आंदोलन का फायदा उठाकर तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट, हिंसक हमले और महिलाओं पर अत्याचार की कोशिश जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं।

सेना ने सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की

इन घटनाओं को रोकने के लिए सेना ने सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की है। शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान कर्फ्यू को 10 सितंबर शाम 5 बजे तक पूरे देश में लागू रखा जाएगा। इसके बाद, कर्फ्यू अगली सुबह 6 बजे तक जारी रखा जाएगा। आगे की स्थिति का आकलन करने के बाद नई जानकारी जारी की जाएगी।

नेपाल में बीते कुछ दिनों से जेन-जी के नेतृत्व में हो रहे प्रदर्शन

नेपाल में पिछले कुछ दिनों से जेन-जी (Gen Z) के नेतृत्व में प्रदर्शन हो रहे हैं, जो सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ हैं। इन प्रदर्शनों में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। हिंसा के कारण काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बंद करना पड़ा, जिससे उड़ानें प्रभावित हुई हैं।

कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास जारी

सेना ने कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर स्थिति पर नजर रख रही है और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सेना ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें। वहीं, आपात स्थिति में लोगों को सेना और पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

आत्महत्या की रोकथाम और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एम्स ने लॉन्च किया एआई आधारित ऐप "नेवर अलोन"

नई दिल्ली (एजेंसी)। आत्महत्या से जुड़े कलंक को कम करने और छात्रों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एम्स, नई दिल्ली ने बुधवार को "नेवर अलोन" नामक एक एआई-आधारित समग्र मानसिक स्वास्थ्य और वेलनेस कार्यक्रम लॉन्च किया। यह कार्यक्रम विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर शुरू किया गया। एम्स, नई दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए स्क्रीनिंग, हस्तक्षेप और पोस्ट-इंटरवेंशन फॉलो-अप पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक साथ एम्स नई दिल्ली, एम्स भुवनेश्वर और आईएचबीएएस (इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज), शाहदरा में संकाय और प्रशासन के सहयोग से की गई। डॉ. कुमार के अनुसार, "नेवर अलोन" एक वेब-आधारित सुरक्षित ऐप है, जिसे व्हाट्सएप के जरिए एक्सेस किया जा सकता है। यह छात्रों को 24×7 मानसिक स्वास्थ्य और वेलनेस विशेषज्ञों से वर्चुअल और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा देगा। एम्स दिल्ली इस सेवा को सभी एम्स संस्थानों को ग्लोबल सेंटर ऑफ इंटीग्रेटिव हेल्थ (GCIH) के माध्यम से बिना किसी वित्तीय बोझ के उपलब्ध कराएगा। यह पहल एम्स दिल्ली के पूर्व छात्र और विश्वप्रसिद्ध लेखक व इंटीग्रेटिव हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. दीपक चोपड़ा द्वारा समर्थित और मार्गदर्शित है। डॉ. कुमार ने बताया कि "नेवर अलोन" ऐप पर मानसिक स्वास्थ्य की बेसिक स्क्रीनिंग की लागत बेहद न्यूनतम है—केवल 70 पैसे प्रतिदिन प्रति छात्र। 5,000 छात्रों वाले किसी संस्थान के लिए भी यह सेवा आसानी से किफायती है। छात्रों को इस सुविधा का लाभ दिलाने के लिए संबंधित संस्थानों को एम्स दिल्ली से संपर्क कर इस सेवा की सदस्यता लेनी होगी।

आत्महत्या: एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, हर साल लगभग 7.27 लाख लोग आत्महत्या करते हैं, यानी औसतन हर 45 सेकंड में एक व्यक्ति अपनी जान लेता है। इनमें से लगभग 73% आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2022 में 1,70,924 लोगों ने आत्महत्या की, जो पिछले 56 वर्षों में सबसे अधिक संख्या है। इनमें 18-30 वर्ष की आयु के युवाओं का हिस्सा 35% रहा, जबकि 30-45 वर्ष आयु वर्ग में यह 32% था। डॉ. कुमार ने कहा कि आत्महत्या रोकी जा सकती है, लेकिन इसके लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि मानसिक रोगों—खासकर डिप्रेशन और अल्कोहल की लत—के साथ आत्महत्या का गहरा संबंध है। कई बार लोग अचानक आई संकट की घड़ी में भी यह कदम उठा लेते हैं। उन्होंने कहा कि "70-80 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग इलाज नहीं कराते। जागरूकता की कमी और सामाजिक कलंक इस अंतर की बड़ी वजह है। मेडिकल कॉलेजों में भी जहां विशेषज्ञ उपलब्ध होते हैं, आत्महत्या के मामले सामने आते रहते हैं।" यह खबर छात्रों, अभिभावकों और संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण संदेश देती है कि आत्महत्या रोकी जा सकती है और समय पर परामर्श व जागरूकता से जीवन बचाया जा सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश थमी, अब चढ़ेगा पारा; धूप और उमस से बढ़ेगी परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में लगातार कई दिनों से हो रही हल्की बारिश और बादलों का असर अब धीरे-धीरे खत्म होता नजर आ रहा है। भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश की संभावना बेहद कम है और मौसम शुष्क रहेगा। आसमान में हल्के बादल जरूर छाए रहेंगे, लेकिन लोगों को बारिश से राहत नहीं मिलने वाली है। इसके विपरीत अब तापमान में इजाफा होगा और उमस के साथ-साथ तेज धूप लोगों को परेशान करेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 15 सितंबर तक एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जाएगा मौसम विभाग के मुताबिक, 15 सितंबर तक एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जाएगा। वहीं, न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। ह्यमिडिटी का स्तर 55 से 75 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। इसका सीधा असर यह होगा कि सुबह और शाम के समय उमस लोगों को परेशान करेगी, जबकि दिन में धूप चुभने लगेगी।

12 सितंबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन किसी भी तरह की तेज बारिश की संभावना नहीं है

12 सितंबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन किसी भी तरह की तेज बारिश की संभावना नहीं है। 13 सितंबर को आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा, हालांकि उसके बाद यानी 14 और 15 सितंबर को मौसम साफ रहने की संभावना है।

लंबे समय तक बारिश न होने के कारण दिल्ली-एनसीआर में तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी

मौसम विभाग ने साफ किया है कि इस दौरान किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है यानी तेज बारिश या आंधी-तूफान की संभावना नहीं है। लंबे समय तक बारिश न होने के कारण दिल्ली-एनसीआर में तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी। 34 डिग्री तक पहुंच चुका अधिकतम तापमान आने वाले दिनों में लोगों को उमस और पसीने से परेशान करेगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के मध्य तक मानसून का असर कमजोर हो जाता है और इस बार भी यही स्थिति देखने को मिल रही है।

सिंगरौली जिले में पुलिस ने धर्मांतरण के बड़े खेल का किया भंडाफोड़, हिरासत में पांच आरोपी

मध्य प्रदेश (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में नवानगर थाना पुलिस ने धर्मांतरण के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ओडिशा से आए दो लोगों सहित पांच व्यक्तियों को हिरासत में लिया। जिनमें तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। मौके से धार्मिक किताबें और कुछ नकदी भी जब्त की गई है।

बताया जा रहा है कि ओडिशा से आए दो व्यक्तियों ने पिछले 10 सालों से एनसीएल की खाली जमीन पर अवैध कब्जा कर स्थानीय लोगों की मदद से धर्मांतरण का गोरखधंधा का काम शुरू किया था। ये लोग पहले कुछ स्थानीय लोगों को अपने झांसे में लेकर क्षेत्र की जानकारी जुटाते थे। इसके बाद कॉलेज के छात्र-छात्राओं और स्थानीय पुरुषों-महिलाओं को निशाना बनाकर उन्हें पैसे लेकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे।

करीब 50 लोगों का कराया धर्मांतरण

दावा है कि इस रैकेट के जरिए अब तक करीब 50 लोगों का धर्मांतरण कराया जा चुका है। नवानगर थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी को मंगलवार देर रात सूचना मिली कि एक बस्ती में कुछ लोग स्थानीय लोगों को बरगलाकर अवैध रूप से धर्मांतरण करा रहे हैं। सूचना मिलते ही त्रिपाठी ने अपनी टीम के साथ मौके पर छापेमारी की। वहां करीब 100 लोग इकट्ठा थे।

पुलिस कार्रवाई में पकड़ा गया धर्मांतरण गिरोह

नवानगर थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी ने समाचार एजेंसी को बताया कि सूचना मिली थी कि एक बस्ती में कुछ लोग स्थानीय लोगों को बरगलाकर अवैध रूप से धर्मांतरण करा रहे हैं। इस सूचना पर तुरंत एक्शन लिया गया। मौके पर जाकर देखा तो करीब 100 लोग वहां इकट्ठा थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 लोगों को हिरासत में लिया। इन आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभी हिरासत में लिए गए आरोपियों से मामले की जानकारी ली जा रही है और अन्य लोगों की जानकारी मिलने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' के 5 वर्ष पूरे, मत्स्य पालन क्षेत्र को मिली मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत मत्स्य पालन विभाग ने बुधवार को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर देश की अर्थव्यवस्था, पोषण और सस्टेनेबिलिटी के लक्ष्यों में योजना के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की आधुनिकता

पीएमएमएसवाई के समग्र परिवर्तन का जश्न मनाते हुए मत्स्य पालन विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कटिंग एज टेक्नोलॉजी को अपनाने से लेकर प्रथाओं को आधुनिक बनाने और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तक, योजना ने समुदायों को सशक्त बनाया है और आजीविका को मजबूत किया है। विभाग ने एक पोस्ट में लिखा, "इस योजना का योगदान तटों पर जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ाने, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए बाजार और लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और रोजगार बढ़ाने वाले क्लस्टर-बेस्ड विकास को बढ़ावा देने के रूप में अहम रहा है।" क्लस्टर-आधारित खेती में किसान एक निश्चित इलाके में एक ही फसल उगाते हैं। इससे आसान उपलब्धता और अधिक मात्रा के कारण खरीदार रुचि दिखाते हैं, और माल ढुलाई की लागत कम होती है।

मत्स्य संपदा योजना के 5 वर्ष

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की शुरुआत 10 सितंबर 2020 को की गई थी। योजना को 20,050 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ स्वीकृति दी गई थी। इसमें 2020-21 से 2024-25 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए केंद्र सरकार से मिले 9,407 करोड़ रुपए, राज्य सरकारों से मिले 4,880 करोड़ रुपए और लाभार्थियों के योगदान के रूप में 5,763 करोड़ रुपए शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 22 जुलाई 2025 तक मत्स्य पालन विभाग ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 21,274.16 करोड़ रुपए की मत्स्य विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। यह योजना पिछले पांच वर्षों से मत्स्य पालन क्षेत्र को पारिस्थितिक रूप से दुरुस्त, आर्थिक रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से समावेशी बनाने की दिशा में काम कर रही है। योजना उत्पादन और उत्पादकता, गुणवत्ता, नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और पैदावार के बाद इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े अंतरों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विश्व उत्पादन में दूसरा स्थान

भारत 2024-25 में 195 लाख टन मत्स्य उत्पादन के साथ इस क्षेत्र में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है, जो वैश्विक मत्स्य पालन में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। फरवरी, 2025 तक मत्स्यपालन की उत्पादकता में 3 से 4.7 टन प्रति हेक्टेयर के राष्ट्रीय औसत से वृद्धि हुई है। पीएमएमएसवाई से मात्र पांच वर्षों में 195 लाख टन का रिकॉर्ड मछली उत्पादन हुआ है। साथ ही, 58 लाख आजीविका सृजन, 99,018 महिलाओं के सशक्तीकरण और जलवायु के अनुकूल, बाजार के लिए तैयार वैल्यू चेन का निर्माण करने के उद्देश्य में बदलाव आया है। पीएमएमएसवाई अपनी रिकॉर्ड उपलब्धियों और दूरदर्शी पहलों के साथ स्थायी और बेहतर भविष्य की ओर 'नीली क्रांति' को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया जारी रखे हुए है।

नेपाल एयरलाइंस की उड़ानें बहाल, त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा फिर से खुला

नेपाल (एजेंसी)। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) की ओर से जारी नोटम (नोटिस टू एयरमेन) को रद्द किए जाने और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईटीए) के फिर से खोलने के साथ ही, नेपाल एयरलाइंस ने 10 सितंबर के लिए कुछ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के पुनः संचालन की घोषणा की है।फिर से शुरू की गई उड़ानों में काठमांडू से नारिता, काठमांडू से कुआलालंपुर, काठमांडू से दोहा और काठमांडू से दम्माम शामिल हैं। नेपाल एयरलाइंस ने यात्रियों को आगाह किया है कि उड़ानों में देरी हो सकती है, जिसके पीछे क्रू और यात्रियों की रिपोर्टिंग टाइम, एयरपोर्ट काउंटर पर भीड़ और अन्य तकनीकी कारण हो सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, +977 1 4113011 पर संपर्क करें

नेपाल एयरलाइंस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर लिखा, "नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन), टीआईए द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, हवाई यात्रा की समय-सारणी घोषित कर दी जाएगी और सभी यात्रियों को इसकी सूचना दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए, +977 1 4113011 पर संपर्क करें।" नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने एक महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए कहा था कि उपत्यका में जारी कर्फ्यू, निषेधाज्ञा और विमान मार्गों में देखे गए धुएं जैसी विषम परिस्थितियों के चलते, त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया था। इसी वजह से अगली सूचना तक हवाई अड्डा बंद कर दिया गया था।

यात्रियों से अनुरोध है कि हवाई अड्डा बंद होने पर वहां न आएं और खुलने की सूचना मिलने के बाद ही एयरलाइन से संपर्क करें

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया था कि यात्रियों से अनुरोध करते हैं कि हवाई अड्डा बंद होने पर हवाई अड्डे पर न आएं और हवाई अड्डे के खुले होने की सूचना मिलने के बाद ही संबंधित एयरलाइन कंपनी से संपर्क करें। लेकिन अब हालात सामान्य होने के बाद, हवाई अड्डा फिर से संचालन में आ गया है। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए क्षमा मांगी है। यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए एक वैध टिकट और सभी आवश्यक ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स साथ ले जाने होंगे।

नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों के बीच राजस्थान सरकार ने भारतीयों की मदद के लिए जारी किए हेल्पलाइन नंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान सरकार ने नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। यह कदम नेपाल में हो रहे हिंसक प्रदर्शनों के बीच उठाया गया है, जिनकी अगुवाई 'जेन जी' कर रही है। इसके चलते बीते मंगलवार को नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसे "दिल दहला देने वाली घटना" बताया और कहा कि राज्य सरकार नेपाल में रह रहे राजस्थानियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। उन्होंने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से बात की और मौजूदा हालात की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि भारत सरकार हर नागरिक की सुरक्षा और सुरक्षित वापसी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने नेपाल में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों से अपील की कि वे भारतीय दूतावास से लगातार संपर्क बनाए रखें और भारत सरकार की ओर से जारी सलाह का पालन करें। इसके लिए राजस्थान पुलिस मुख्यालय में एक विशेष प्रकोष्ठ बनाया गया है। सहायता के लिए 24×7 हेल्पलाइन नंबर 0141-2740832और0141-2741807 तथा व्हाट्सऐप नंबर 9784942702 जारी किए गए हैं। नेपाल में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। नेपाली सेना ने पूरे देश में कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए हैं। प्रदर्शन 8 सितंबर से शुरू हुए जब नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया। यह प्रतिबंध केवल एक ट्रिगर साबित हुआ, जिसके बाद लोगों ने सरकार पर संस्थागत भ्रष्टाचार और पक्षपात का आरोप लगाते हुए जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग की। इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 19 लोगों की मौत हो चुकी है और 500 लोग घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति कार्यालय और कई अन्य सरकारी इमारतों में आग लगा दी। स्थिति को काबू में करने के लिए काठमांडू समेत कई शहरों में कर्फ्यू लगाया गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

नेपाल के संकट को कई दृष्टिकोणों से देखना होगा

नेपाल में इन दिनों जो हालात बने हैं, उन्होंने पूरे दक्षिण एशिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। युवाओं के आंदोलन पर हुए बलप्रयोग ने स्थिति को और भड़का दिया। गुस्साई भीड़ ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रियों के आवास तक को आग के हवाले कर दिया। प्रधानमंत्री को आखिरकार इस्तीफा देना पड़ा। भारत का यह छोटा लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी पिछले ढाई दशकों से अस्थिरता झेल रहा है। लोकतंत्र की स्थापना के बाद से अब तक 17 वर्षों में 15 सरकारों का बदलना यह दिखाता है कि राजनीतिक अस्थिरता यहाँ सामान्य बात बन चुकी है। नेपाल में मौजूदा आंदोलन केवल सरकार विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनता की गहरी नाराज़गी का इज़हार है। खासतौर पर युवाओं का असंतोष इस बार निर्णायक साबित हुआ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सरकार द्वारा पाबंदी लगाना जनता के धैर्य की सीमा को तोड़ गया। चीन-परस्त माने जाने वाले ओली खेमे ने यह मान लिया था कि यह आंदोलन दक्षिणपंथी शक्तियों या संपन्न वर्ग द्वारा उकसाया गया है। लेकिन धीरे-धीरे साफ़ हो गया कि असल वजह व्यापक स्तर पर फैला भ्रष्टाचार और सत्ता में बैठे नेताओं का राजशाही जैसी मनमानी करना है। युवाओं में यह आक्रोश अचानक नहीं फूटा। बीते वर्षों में "नेपोकिड्स" और "नेपोबेबी" हैशटैग के ज़रिए वायरल हुए वीडियोज़ में मंत्रियों और उनके परिजनों की ऐशो-आराम वाली जीवनशैली सबके सामने आ गई। आम जनता, जो बेरोजगारी और महँगाई से जूझ रही है, उनके लिए यह असमानता और चुभने लगी। नेपाल में विकास लगभग ठहर सा गया है। प्रति व्यक्ति आय महज़ 1500 डॉलर के आसपास है, जो भारत की आधी है। पर्यटन, जो इसकी सबसे बड़ी ताकत हो सकता था, उसमें भी निवेश का अभाव रहा। नतीजा यह हुआ कि गरीब और अमीर के बीच खाई और गहरी होती गई और बेरोजगारी की दर 11 प्रतिशत से ऊपर पहुँच गई। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि हर दिन लगभग पाँच हज़ार नेपाली युवा रोज़गार की तलाश में विदेश पलायन कर रहे हैं। इससे एक ओर नेपाल की श्रमशक्ति देश से बाहर जा रही है, दूसरी ओर घरेलू अर्थव्यवस्था विदेशी आय पर निर्भर होती जा रही है। यह दीर्घकालीन दृष्टि से बेहद अस्थिर मॉडल है। राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार ने निवेशकों का भरोसा भी कमज़ोर कर दिया है। नेपाल के हालात को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह दक्षिण एशिया की उस प्रवृत्ति से जुड़ा है जिसमें कई देश अशांति और अस्थिरता से गुजर रहे हैं। चीन का तियाननमेन आंदोलन, अरब स्प्रिंग की लहर, और हाल ही में बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार और पाकिस्तान के हालात इस बात की पुष्टि करते हैं कि जनता जब व्यवस्था से ऊब जाती है तो सड़कों पर उतर आती है। नेपाल भी अब उसी राह पर खड़ा है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष महत्व रखती है। नेपाल केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, धार्मिक और रणनीतिक दृष्टि से भी जुड़ा हुआ है। यहाँ की अस्थिरता का असर सीधे भारत की सुरक्षा और विदेश नीति पर पड़ सकता है।

नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों जैसी गलती हम एक बार फिर पंजाब में नहीं दोहरा सकते हैं

-पंजाब पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है

भारत की विविधता उसकी ताक़त भी है और चुनौती भी। एक ओर यह देश अलग-अलग धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों को समेटे हुए है, तो दूसरी ओर इस विविधता के भीतर समय-समय पर असंतोष और अलगाववादी प्रवृत्तियाँ भी जन्म लेती रही हैं। उत्तर-पूर्व (नॉर्थ-ईस्ट) के राज्यों का अनुभव हमारे सामने है, जहाँ दशकों तक उपेक्षा, विकास की कमी और स्थानीय अस्मिता के सवालों को नज़रअंदाज़ करने से वहाँ अलगाववाद, उग्रवाद और विदेशी ताक़तों के दख़ल ने स्थिति को विकट बना दिया। आज पंजाब की स्थिति भी कमोबेश ऐसे ही मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। यहाँ की सिख राजनीति में बिखराव, युवाओं में असंतोष, नशे की समस्या, बेरोज़गारी और पड़ोसी पाकिस्तान की आईएसआई की चालों ने राज्य को बेहद संवेदनशील बना दिया है। ऐसे में यह सवाल बेहद अहम हो जाता है कि कहीं पंजाब भी नॉर्थ-ईस्ट की तरह लंबे असंतोष और हिंसा के दलदल में तो नहीं धकेल दिया जाएगा?

पंजाब की मौजूदा परिस्थिति

पंजाब लंबे समय से भारत की राजनीति, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का एक अहम केंद्र रहा है। हरित क्रांति के बाद पंजाब भारत का 'अन्न भंडार' कहलाया। लेकिन पिछले दो दशकों में पंजाब के सामने कई संकट खड़े हुए – कृषि संकट – परंपरागत धान-गेहूँ पर आधारित खेती अब घाटे का सौदा बनती जा रही है। भूमिगत जलस्तर घट रहा है। किसान आत्महत्या की घटनाएँ बढ़ रही हैं। बेरोज़गारी – पढ़े-लिखे युवाओं के पास रोज़गार नहीं है। पंजाब से विदेश जाने की होड़ लगी हुई है। नशे का फैलाव – हेरोइन और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी ने युवाओं को जकड़ लिया है। राजनीतिक बिखराव – पारंपरिक पार्टियाँ जैसे कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल अपनी पकड़ खो रही हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार सत्ता में है, लेकिन चुनौतियों से जूझ रही है। धार्मिक अस्मिता और अलगाववादी राजनीति – खालिस्तान आंदोलन का साया अभी पूरी तरह मिटा नहीं है।

ज्ञानी हरप्रीत सिंह और बदलता सिख राजनीतिक परिदृश्य

हाल ही में अकाल तख़्त और दमदमा साहिब के पूर्व मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरप्रीत सिंह के ट्वीट ने एक नई बहस छेड़ दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान में आए भूकंप पर संवेदना जताई तो ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने तुरंत प्रतिक्रिया दी – "अफगानिस्तान के लिए सहानुभूति जताना अच्छी बात है, लेकिन पंजाब भी इसी देश का हिस्सा है। यहाँ 1500 गाँव और 3 लाख लोग बुरी तरह बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।" यह ट्वीट सिर्फ आपदा प्रबंधन या राहत की राजनीति नहीं है, बल्कि यह एक गहरी बेचैनी की तरफ़ इशारा करता है। पंजाब की जनता को लगता है कि उनकी समस्याओं पर केंद्र का ध्यान पर्याप्त नहीं है। ज्ञानी हरप्रीत सिंह सिख राजनीति में नया चेहरा बनकर उभर रहे हैं। वे अकाली दल (बादल) की कमज़ोर होती पकड़ से अलग रास्ता निकालना चाहते हैं। वे अपने गुट को अलग पार्टी नहीं कहते, बल्कि यह दावा करते हैं कि असली अकाली दल उनके पास है। दूसरी ओर अमृतपाल सिंह जैसे नेता भी वारिस पंजाब दे के ज़रिए सिख अस्मिता की राजनीति को हवा दे रहे हैं।

आईएसआई और बाहरी ताक़तों की भूमिका

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई लंबे समय से पंजाब में खालिस्तान आंदोलन को ज़िंदा रखने की कोशिश करती रही है। सोशल मीडिया, विदेशों से फंडिंग, और नशे की तस्करी – ये सभी पंजाब को अस्थिर करने के हथियार हैं। 1980–90 के दशक की तरह हिंसा भले न हो, लेकिन विचारधारा और भावनाओं का ज़हर धीरे-धीरे फैलाया जा रहा है। पंजाब की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति (पाकिस्तान की सीमा से सटा होना), उसकी सिख डायस्पोरा और युवाओं में असंतोष – इन सबका इस्तेमाल बाहरी ताक़तें कर सकती हैं।

नॉर्थ-ईस्ट का अनुभव और सबक

भारत का उत्तर-पूर्व क्षेत्र दशकों तक उपेक्षित रहा। वहाँ की जनता को लगा कि नई दिल्ली उनकी संस्कृति और पहचान को नहीं समझती। विकास की कमी, रोज़गार के अवसरों का अभाव और प्रशासनिक बेरुख़ी ने अलगाववाद को जन्म दिया। नागा, मिज़ो, बोडो और असम आंदोलन इसी पृष्ठभूमि में खड़े हुए। आज भी नॉर्थ-ईस्ट में शांति पूरी तरह स्थापित नहीं हो सकी है। यह भारत के लिए सबक है कि जब किसी क्षेत्र की अस्मिता और समस्याओं को समय पर हल नहीं किया जाता, तो वहाँ असंतोष उग्र हो जाता है। पंजाब को लेकर वही गलती दोहराना बेहद ख़तरनाक होगा।

पंजाब में बढ़ते असंतोष की जड़ें

केंद्र-राज्य संबंधों में खटास – पंजाब अकसर शिकायत करता है कि केंद्र उसकी आवाज़ नहीं सुनता। चाहे पानी के बँटवारे का मुद्दा हो या किसान आंदोलन। किसान आंदोलन का असर – दिल्ली की सीमाओं पर चला किसान आंदोलन पंजाब की राजनीति में एक नई चेतना लेकर आया। किसानों ने यह महसूस किया कि एकजुट होकर वे केंद्र सरकार को झुका सकते हैं। राजनीतिक नेतृत्व का संकट – पारंपरिक नेतृत्व जनता का भरोसा खो चुका है। नए नेता उभर रहे हैं, लेकिन वे भी स्पष्ट दिशा नहीं दे पा रहे। आर्थिक संकट – उद्योग और निवेश पंजाब से बाहर जा रहे हैं। कृषि पर अत्यधिक निर्भरता ने अर्थव्यवस्था को कमज़ोर कर दिया है।

क्यों जरूरी है पंजाब पर विशेष ध्यान?

पंजाब सिर्फ एक राज्य नहीं है, यह सीमा प्रदेश है। यहाँ की अस्थिरता पूरे देश की सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। सिख समुदाय भारत की रक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों में बड़ी भूमिका निभाता है। अगर उनमें अलगाव की भावना पनपती है तो यह पूरे भारत के लिए चिंता की बात होगी। पंजाब का प्रवासी (NRI) समुदाय पूरी दुनिया में फैला है। वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पंजाब के मुद्दे उठाते हैं। इससे भारत की छवि प्रभावित हो सकती है। कृषि संकट का समाधान राष्ट्रीय स्तर पर ज़रूरी है, क्योंकि पंजाब देश को अनाज उपलब्ध कराता है।

संभावित समाधान

राजनीतिक संवाद – केंद्र और पंजाब के बीच भरोसे का पुल मज़बूत करना होगा। दिल्ली की नीति केवल सुरक्षा और पुलिस के सहारे नहीं चल सकती। आर्थिक पुनर्निर्माण – पंजाब को कृषि से उद्योग और सेवाओं की तरफ़ मोड़ने की नीति चाहिए। युवाओं के लिए रोज़गार सृजन करना होगा। नशे पर कठोर नियंत्रण – सीमा पर ड्रग्स की तस्करी रोकना और अंदरूनी नेटवर्क को तोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए। धार्मिक नेतृत्व से संवाद – सिख धार्मिक नेतृत्व और केंद्र सरकार के बीच विश्वास बहाली बेहद ज़रूरी है। शिक्षा और कौशल विकास – युवाओं को विदेश जाने की बजाय अपने राज्य में अवसर दिलाना होगा।

नॉर्थ-ईस्ट की तरह न हो पंजाब

नॉर्थ-ईस्ट में केंद्र ने देर से पहल की। संवाद की कमी, फौजी दमन और उपेक्षा ने हालात बिगाड़े। पंजाब में अभी भी वक्त है। यहाँ की समस्याएँ गहरी ज़रूर हैं, लेकिन सुलझाई जा सकती हैं। शर्त यह है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से लिया जाए। पंजाब आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वह पूरे भारत के लिए चेतावनी है। नॉर्थ-ईस्ट में हमने देखा कि असंतोष को नज़रअंदाज़ करने की भारी क़ीमत देश को चुकानी पड़ी। पंजाब में वही भूल दोहराना घातक होगा। भारत को चाहिए कि वह पंजाब को केवल राजनीतिक लाभ-हानि की नज़र से न देखे, बल्कि उसकी सांस्कृतिक अस्मिता, आर्थिक संकट और सामाजिक चुनौतियों को समझकर ठोस समाधान निकाले। पंजाब की स्थिरता सिर्फ वहाँ की जनता के लिए नहीं, बल्कि पूरे भारत की अखंडता और सुरक्षा के लिए ज़रूरी है।

पंजाब की ओर नए नज़रिए की ज़रूरत

पंजाब को लेकर अब एक नई राष्ट्रीय दृष्टि बनाने की ज़रूरत है। अब तक केंद्र सरकारों की नीति या तो सुरक्षा-केन्द्रित रही है या चुनावी राजनीति पर टिकी हुई। लेकिन पंजाब की समस्या कहीं ज़्यादा गहरी और बहुआयामी है। इसे केवल सीमापार आतंकवाद या धार्मिक राजनीति के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। पंजाब के लोग आत्मसम्मान और न्याय के भूखे हैं। उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत का सही मूल्य उन्हें नहीं मिलता। गेहूँ-धान उगाकर पूरे देश का पेट भरने वाले किसानों को कर्ज़ और आत्महत्या के बोझ से बाहर निकालना होगा। वहीं नशे और बेरोज़गारी ने युवाओं का आत्मविश्वास तोड़ दिया है। यह खालीपन कट्टरपंथी और अलगाववादी ताक़तें भरने की कोशिश कर रही हैं। केंद्र को चाहिए कि पंजाब के विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता का हिस्सा बनाए। यहाँ कृषि के साथ-साथ उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षा और स्वास्थ्य ढाँचे पर भारी निवेश होना चाहिए। साथ ही, सिख धार्मिक नेतृत्व को यह भरोसा दिलाना ज़रूरी है कि उनकी अस्मिता और परंपरा भारत की साझी विरासत का अभिन्न हिस्सा है। यदि पंजाब को सम्मान, अवसर और सुरक्षा तीनों एक साथ मिलते हैं, तो वह फिर से भारत के विकास और एकता का प्रतीक बन सकता है।

एआई पर बढ़ती निर्भरता: याददाश्त, एकाग्रता और रचनात्मकता पर खतरा

-पहले की पीढ़ियां फोन नंबर और कविताएं कैसे याद रखती थीं?

मानव सभ्यता का इतिहास ज्ञान और स्मृति पर आधारित रहा है। पुरानी पीढ़ियाँ अपने दैनिक जीवन से लेकर शिक्षा और सामाजिक रिश्तों तक, अधिकतर मामलों में अपनी याददाश्त पर निर्भर करती थीं। वे टेलीफोन नंबर, लंबे-लंबे शेर-ओ-शायरी, कविताएँ, यहां तक कि पीरियोडिक टेबल और ऐतिहासिक तिथियाँ तक याद रखते थे। आज की डिजिटल पीढ़ी के लिए यह बात किसी चमत्कार से कम नहीं लगती। लेकिन तकनीक के इस युग में, विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (LLMs) जैसे GPT-5 और Gemini DeepThink के आगमन ने इंसानी सोचने-समझने और याद रखने की क्षमताओं को बदलकर रख दिया है। वर्ष 2024 तक एक शोध में पाया गया कि 16 देशों के लगभग 86% छात्र अपनी पढ़ाई में एआई पर निर्भर हो चुके थे। यह आँकड़ा जितना उत्साहजनक है, उतना ही चिंताजनक भी। क्योंकि यह दर्शाता है कि आने वाली पीढ़ी का दिमाग़ अब खुद मेहनत करके जानकारी हासिल करने की बजाय, उसे सिर्फ़ खोजने और कॉपी करने तक सीमित होता जा रहा है।

एआई पर निर्भरता का बढ़ता ट्रेंड

आज लगभग 67% वैश्विक संगठन LLMs का उपयोग कर रहे हैं। शिक्षा, रिसर्च, बिज़नेस, पत्रकारिता, मेडिकल और यहाँ तक कि कला के क्षेत्र में भी एआई की मदद से नये प्रयोग हो रहे हैं। छात्रों के लिए यह एक 'डिजिटल ट्यूटर' बन चुका है, जो न केवल सवालों के जवाब देता है बल्कि असाइनमेंट, निबंध, प्रोजेक्ट और रिसर्च पेपर तक तैयार कर देता है। पहले छात्रों को घंटों लाइब्रेरी में बैठकर किताबें खंगालनी पड़ती थीं। आज वही जानकारी सिर्फ़ कुछ सेकेंड में स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाती है। नतीजा यह है कि मानसिक मेहनत और धैर्य की आदत कम हो रही है।

डिजिटल डिस्ट्रैक्शन और एकाग्रता का संकट

रिसर्च के अनुसार, पिछले दो दशकों में स्मार्टफोन और नोटिफिकेशन कल्चर ने इंसानों की एकाग्रता (focus span) को बेहद कम कर दिया है। लगातार नोटिफिकेशन – हर पिंग, अलर्ट और मैसेज दिमाग को बाधित करता है। इंस्टेंट ग्रैटिफिकेशन – हमें सबकुछ तुरंत चाहिए। लंबे समय तक मेहनत और प्रतीक्षा करने की क्षमता घट रही है। एंडलेस स्क्रॉलिंग – सोशल मीडिया ने दिमाग़ को ऐसे कंटेंट का आदी बना दिया है जो छोटी-छोटी खुराक़ में मनोरंजन देता है। नतीजा यह है कि किसी लंबे और जटिल काम पर ध्यान केंद्रित करना बेहद मुश्किल हो गया है।

स्मृति का ह्रास (Memory Decline)

पहले की पीढ़ियाँ टेलीफोन नंबर, कविताएँ और धार्मिक ग्रंथ याद करती थीं। एक व्यक्ति अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के कम से कम 20–30 नंबर याद रखता था। छात्र पूरे का पूरा पाठ्यक्रम कंठस्थ करते थे। धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोग पूरी-पूरी कविताएँ या शेर याद से सुनाते थे।

आज? हम अपने सबसे क़रीबी रिश्तेदारों के फोन नंबर तक याद नहीं रखते। "Google Effect" पर हुई रिसर्च बताती है कि जब हमें पता होता है कि कोई जानकारी आसानी से इंटरनेट पर मिल जाएगी, तो हमारा दिमाग़ उसे स्टोर नहीं करता। नतीजा यह है कि हमारी प्राकृतिक स्मरण-शक्ति कमजोर होती जा रही है।

एआई से सुस्ती और रचनात्मकता पर असर

एआई टूल्स हमारी सोच को आसान बना देते हैं, लेकिन यह सहजता धीरे-धीरे हमारी मानसिक मेहनत को खत्म करती जा रही है। निर्णय लेने की क्षमता घट रही है, क्योंकि हर सवाल का तैयार जवाब हमें मिल जाता है। रचनात्मकता (Creativity) कम हो रही है। पहले इंसान अपनी कल्पना से कहानियाँ, कविताएँ या लेख लिखता था। अब एआई पर भरोसा बढ़ गया है। समस्या-समाधान कौशल भी प्रभावित हो रहा है। जहां पहले दिमाग़ को खपाकर समाधान ढूँढना पड़ता था, वहीं अब तैयार 'सॉल्यूशन' उपलब्ध होता है।

तकनीक और पीढ़ीगत अंतर

यहाँ एक दिलचस्प सवाल उठता है – पहली पीढ़ियाँ चीजें कैसे याद रखती थीं? वे लिखने-पढ़ने के साथ-साथ दिमाग़ी अभ्यास करती थीं। किसी कविता को बार-बार दोहराना, किसी नंबर को लिखते-लिखते याद करना उनकी आदत थी। उनके पास ध्यान भटकाने वाले साधन कम थे।

जबकि आज की पीढ़ी

किसी जानकारी को याद करने की बजाय "Save" या "Bookmark" कर लेती है। अभ्यास करने की बजाय "Copy-Paste" पर निर्भर रहती है। दिमाग़ को ट्रेनिंग देने के अवसर घट गए हैं।

शोध से जुड़े चार बड़े ट्रेंड

डिजिटल डिस्ट्रैक्शन (Digital Distraction): लगातार मिलने वाले अलर्ट और नोटिफिकेशन एकाग्रता को तोड़ते हैं। स्मृतिलोप (Digital Amnesia): गूगल इफेक्ट के कारण जानकारी याद रखने की क्षमता कम होती है। निर्णय क्षमता पर असर: निर्णय लेने में दिमाग़ का विश्लेषण कम होता है क्योंकि जवाब पहले से मौजूद हैं। सामाजिक संवाद में कमी: पहले लोग याददाश्त और ज्ञान के आधार पर आपस में बातचीत करते थे। अब वे सीधे इंटरनेट का सहारा लेते हैं।

समाधान और आगे का रास्ता

एआई का विरोध करना संभव नहीं है और न ही यह सही होगा। लेकिन संतुलन बनाना ज़रूरी है। डिजिटल डिटॉक्स (Digital Detox): हर दिन कुछ समय मोबाइल और एआई टूल्स से दूर रहना। याददाश्त की ट्रेनिंग: टेलीफोन नंबर, छोटी कविताएँ या महत्वपूर्ण तिथियाँ याद करने की आदत डालना। गंभीर पठन (Deep Reading): छोटी-छोटी पोस्ट के बजाय किताबें और लंबे लेख पढ़ना। रचनात्मक लेखन और अभ्यास: एआई से मदद लेने से पहले खुद लिखने और सोचने का अभ्यास करना। सीमित उपयोग: एआई को "सहायक" की तरह इस्तेमाल करना, "आधार" की तरह नहीं। एआई और स्मार्ट टेक्नोलॉजी ने इंसानी जीवन को आसान जरूर बनाया है, लेकिन इसके साथ ही हमारी स्मृति, एकाग्रता और रचनात्मकता पर खतरे की घंटी भी बजा दी है। पहले की पीढ़ियों के पास तकनीक नहीं थी, लेकिन उनकी याददाश्त और सोचने की क्षमता कहीं ज़्यादा मजबूत थी। आज ज़रूरत है कि हम एआई को एक "औज़ार" की तरह देखें, न कि "सहारा" की तरह।

भाषा बताती है कि हम किस तरह के मनुष्य या समाज हैं

-मनुष्य होने की बुनियादी शर्तों में है भाषा

मनुष्य और भाषा का रिश्ता जितना गहरा है, उतना ही रहस्यमय भी है। भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारी पहचान, हमारी संस्कृति, हमारी संवेदनाओं और हमारे विचारों का आईना है। हम जैसे बोलते हैं, जैसे लिखते हैं, वैसा ही हमारा समाज, हमारी मानसिकता और हमारी सोच होती है। अरुंधति रॉय अपनी नई किताब "मदर मेरी कम्स टु मी" में लिखती हैं कि स्कूल के दिनों में उनकी भाषा बहुत खराब थी। लेकिन वे एक महत्वपूर्ण सवाल उठाती हैं—क्या वह सचमुच उनकी भाषा थी? वे कहती हैं कि 'मेरी' से उनका मतलब मातृभाषा से नहीं, बल्कि उस लेखक की भाषा से है जिसमें वे अपनी बहुभाषिक दुनिया की व्याख्या कर सकें। यह भाषा वह नहीं है जो लेखक का इस्तेमाल करे, बल्कि वह है जिसे लेखक अपने अनुभवों और संवेदनाओं से गढ़े। यहीं से भाषा का असली सवाल शुरू होता है। भाषा कोई स्थिर और जड़ वस्तु नहीं है। यह लगातार बनती-बिगड़ती रहती है। यह हमें आकार देती है और हम इसे। लेकिन दुर्भाग्य से आज भाषा पर गहन विचार का चलन कम होता जा रहा है। जैसे भाषा केवल एक औज़ार हो—जिसका इस्तेमाल वैसे ही किया जा सकता है जैसे हम चाकू या फल का करते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि भाषा हमारी ज़िंदगी के हर क्षण में हमारे भीतर जन्म लेती है, बदलती है, और हमें गढ़ती है।

भाषा और समाज का संबंध

भाषा मनुष्य के आंतरिक संसार का दर्पण है। हम जिस समाज में रहते हैं, उसकी प्रकृति भाषा में झलक जाती है। उदाहरण के लिए, अगर कोई समाज विविधता को स्वीकार करता है, उसमें संवेदना और आपसी सम्मान है, तो उसकी भाषा भी नरम, गर्मजोशी से भरी और बहुरंगी होगी। वहीं अगर समाज कठोर, असंवेदनशील और यांत्रिक हो जाएगा, तो उसकी भाषा भी वैसी ही हो जाएगी—सूखी, बेमानी और सपाट। आज हमारे समाज में भाषा का यह संकट साफ दिखाई देता है। सोशल मीडिया पर यह सबसे अधिक स्पष्ट है। वहां हम एक ही क्षण में किसी को जन्मदिन की बधाई "एचबीडी" लिखकर देते हैं और अगले ही पल किसी की मौत पर "आरआईपी" लिखकर शोक व्यक्त कर देते हैं। यह भाषा हमें बताती है कि हम कितने सतही होते जा रहे हैं। इसमें गहराई, भावनाओं की सच्चाई और मानवीय गर्माहट नहीं बची।

भाषा के ठहराव का संकट

हमारी भाषा परंपरा और प्रथा से लेकर आधुनिकता और बाज़ार तक के दबावों में जकड़ी हुई है। परंपरा जो कुछ हमें देती है, हम उसे जस का तस स्वीकार कर लेते हैं। बाज़ार जो भी भाषा के नाम पर हमें बेचता है, हम उसे खुशी-खुशी खरीद लेते हैं। मुश्किल यह है कि जब कोई चीज़ ठहर जाती है, तो उसमें सड़न शुरू हो जाती है। भाषा भी जब ठहरती है तो वह खोखली होने लगती है। शब्द अपने वास्तविक अर्थ खो देते हैं। वे केवल नारे, दिखावे और सौदों के औज़ार बन जाते हैं। यही हाल आज की राजनीति की भाषा का है। नेता कुछ भी बोल दें, लोग उसे गंभीरता से नहीं लेते क्योंकि उनके शब्दों में अब भरोसा और सार नहीं बचा।

भाषा और विचार का रिश्ता

भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं है, यह विचार का साधन भी है। जब हम सोचते हैं तो भी भाषा में ही सोचते हैं। जब हम विचार करना छोड़ देते हैं, तो भाषा भी हमें छोड़ देती है। इस स्थिति में हम यांत्रिक मनुष्य में बदल जाते हैं—जहां भाषा भी सिर्फ एक मशीन की तरह रह जाती है। ऐसा यांत्रिक मनुष्य भाषा का उपयोग केवल दबदबे, दिखावे या सौदेबाज़ी के लिए करता है। कभी वह ताकत का औज़ार बन जाती है, तो कभी भयादोहन का साधन। धीरे-धीरे भाषा का असली अर्थ गायब हो जाता है और वह खोखली ध्वनि मात्र रह जाती है।

साहित्य और भाषा की भूमिका

साहित्यकार और कवि इस खोखली होती भाषा को जीवन देने का काम करते हैं। जब कोई लेखक चाकू, फल या पानी जैसी साधारण चीज़ों का भी ज़िक्र करता है, तो वह नए अर्थों और संवेदनाओं से भर जाती है। भाषा का यही जादू है। साहित्य में भाषा केवल सूचनाएं देने का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह मानवीय अनुभवों को गहराई से पकड़ने का ज़रिया होती है। यही वजह है कि बड़े लेखक हमेशा अपनी भाषा की खोज में लगे रहते हैं। वे उस भाषा को गढ़ना चाहते हैं जो उनके समाज और उनके भीतर की दुनिया दोनों को सच्चाई से बयान कर सके।

राजनीति और भाषा का पतन

आज की राजनीति में भाषा का सबसे ज्यादा पतन हुआ है। नेताओं की जुबान पर जो शब्द आते हैं, वे सिर्फ भीड़ को बहकाने या विरोधियों पर कीचड़ उछालने के लिए होते हैं। वे शब्द जनता की तकलीफें, उम्मीदें और संघर्ष व्यक्त नहीं करते। नतीजा यह होता है कि राजनीति की भाषा खोखली और अविश्वसनीय बन जाती है। जब भाषा भरोसेमंद न रहे तो लोकतंत्र भी कमजोर पड़ता है। जनता और नेता के बीच संवाद टूट जाता है। नेता जो कहते हैं, वह जनता के दिल को छूता नहीं और जनता जो सोचती है, उसे व्यक्त करने के लिए भाषा नहीं मिलती।

भाषा और सोशल मीडिया

सोशल मीडिया पर भाषा का पतन और भी स्पष्ट दिखाई देता है। वहां हर चीज़ त्वरित, छोटे और सतही रूप में सामने आती है। संवेदनाएं "एचबीडी" और "आरआईपी" में सिमट जाती हैं। गहरी बातचीत और गंभीर संवाद की जगह ट्रेंडिंग हैशटैग और वायरल पोस्ट ले लेते हैं। यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि धीरे-धीरे हम गहराई से सोचना और महसूस करना भूलते जा रहे हैं। भाषा हमें सोचने और महसूस करने की शक्ति देती है, लेकिन जब हम उसका प्रयोग केवल औपचारिकता या दिखावे में करने लगते हैं, तो वह शक्ति क्षीण हो जाती है।

भाषा का पुनर्जागरण

भाषा के इस संकट से बाहर निकलने का रास्ता भी भाषा ही है। हमें फिर से भाषा की तलाश करनी होगी—वह भाषा जो हमारे अनुभवों की सच्चाई को व्यक्त कर सके, जो हमारे समाज की जटिलताओं को पकड़ सके, और जो हमें गहराई से सोचने और महसूस करने की क्षमता दे सके। यह काम आसान नहीं है। इसके लिए हमें साहित्य, कविता, लोककथाओं, संवाद और लेखन की ओर लौटना होगा। हमें भाषा को यंत्र नहीं, बल्कि जीवित प्राणी की तरह देखना होगा। भाषा के साथ हमारा रिश्ता उतना ही जीवंत और आत्मीय होना चाहिए जितना किसी दोस्त या प्रियजन के साथ होता है।

भाषा मनुष्य होने की बुनियादी शर्त है। यह हमारी पहचान, हमारी संवेदनाओं और हमारे विचारों की नींव है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यशाला

-आत्महत्या से जुड़े मिथक एवं तथ्यों की दी जानकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' पर अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला की अध्यक्षता में बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य के विषय विशेषज्ञों, इस क्षेत्र में कार्य कर रहे डवलपमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिधियों एवं नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान आत्महत्या रोकथाम से जुड़े मिथक व तथ्य विषय पर तैयार पोस्टर का भी विमोचन किया गया। अतिरिक्त मिशन निदेशक ने कहा कि मेडिकल प्रोफेशन से जुड़े चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ आदि स्वयं के साथ अन्य हजारों जिंदगियों के साथ जुड़े हुए होते हैं। उन्हें चाहिए कि प्रोफेशनल करियर के दौरान रोगियों में मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों को पहचानते हुए उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान करने पर विशेष ध्यान दें। साथ ही स्वयं भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। उन्होंने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा समग्र दृष्टिकोण के साथ निरामय राजस्थान अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान में प्रत्येक माह निर्धारित थीम पर जागरुकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 10 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक शिक्षण संस्थानों

यथा स्कूलों, कॉलेजों एवं कोचिंग संस्थानों में आउटरीच एवं आईईसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि समाज में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं की रोकथाम के लिये प्रदेश में गेटकीपर कार्यक्रम संचालित किया जाएगा, जिसके शुरुआती चरण में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत हताश, निराश और आत्महत्या की सोच रखने वालों को गेटकीपर के रूप में आसानी से प्रभावी मोटिवेटर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि टेलीमानस टोल फ्री हेल्पलाइन 14416 अथवा 1800-89-14416 के माध्यम से प्रभावी परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 45 हजार से अधिक कॉल्स पर संबंधित को आवश्यक परामर्श व सहयोग सेवाएं उपलब्ध कराई गयी हैं।

तकनीकी सत्रों में हुआ प्रजेंटेशन-

यूनिसेफ के हैल्थ स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल अग्रवाल ने जीवनशैली और मानसिक विकारों की वर्तमान स्थिति विषय पर विस्तार से प्रजेंटेशन दिया। मनोचिकित्सा केन्द्र के अधीक्षक डॉ. ललित बत्रा ने आत्महत्या रोकथाम एवं मेडिकल कॉलेज में अनुभव पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के एसएनओ डॉ. एसएम स्वामी ने स्ट्रेस एवं मेंटल वेल बीइंग विषय पर प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा तत्काल परामर्श सेवाओं के लिए प्रभावी रूप से टोल फ्री हैल्पलाईन सेवा 14416 या 188-89-14416 का संचालन किया जा रहा है। मनोचिकित्सा केन्द्र में विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक त्यागी ने मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। एसएमएस मेडिकल कॉलेज की अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ मोनिका जैन ने भी अपने अनुभव साझा किए।

प्रदेश की 8 करोड़ जनता की समस्याओं के समाधान के लिए है सदन- भजनलाल शर्मा

-विपक्ष सस्ती लोकप्रियता के लिए सदन का समय बर्बाद कर रहा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन की अपनी परंपराएं और गरिमा होती हैं, लेकिन विपक्ष केवल सस्ती लोकप्रियता के लिए सदन का समय बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता की समस्याओं के समाधान के लिए ही यह सदन कार्य करता है। विपक्ष जिस तरह से व्यवधान डाल रहा है, उसे प्रदेश की जनता देख रही है और समय आने पर उन्हें माफ़ नहीं करेगी। शर्मा ने बुधवार को विधानसभा में दिए अपने बयान में कहा कि मानसून सत्र जनता की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करने और समस्याओं से जुड़कर उनके समाधान के लिए आहूत किया गया है। लेकिन विपक्ष की ओर से ऐसा कोई ठोस मुद्दा नहीं रखा गया जिस से जनता की वास्तविक आवाज सदन तक पहुंच सके। शर्मा ने कहा कि हाल ही में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने एवं प्रभावित लोगों के दुख दर्द बांटने के लिए विपक्ष का कोई भी नेता या जनप्रतिनिधि जनता के बीच नहीं गया। जबकि राज्य सरकार के सासंद, मंत्री, विधायक और अधिकारियों ने

फील्ड में जाकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा पीड़ित जनता की मदद कर उनके आंसू पोंछे। हैं। उन्होंने कहा कि जनता के हित में उठाई गई मेरी आवाज को विपक्ष नहीं दबा सकता।

उप मुख्यमंत्री ने दिए भव्य आयोजन व सफाई अभियान के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सांस्कृतिक सेवा पखवाड़े को भव्य और यादगार बनाने के निर्देश दिए हैं। यह आयोजन पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से पूरे प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस पखवाड़े का उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों को भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस अवधि में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, नाटक, लोकनृत्य और संगीत समारोह आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें सहभागिता कर सकें। दिया कुमारी ने कहा कि गांधी जयंती तक चलने वाला यह पखवाड़ा समाज में सेवा, संस्कार और संस्कृति का संदेश देने वाला साबित होगा। साथ ही, उन्होंने पर्यटन स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों पर विशेष सफाई अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा कुलदीप रांका, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव, राज्य परियोजना निदेशक व आयुक्त समग्र शिक्षा अनुपमा जोरवाल बैठक में मौजूद रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय सीमा सुरक्षा की समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित

-पदार्थों की अवैध तस्करी पर लगाये अंकुश- मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि पाकिस्तान से सटी अन्तर्राष्ट्रीय बोर्डर का सबसे अधिक हिस्सा राजस्थान से गुजरता है। ऐसे में सीमावर्ती जिलों में कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ जाती है। सभी सीमावर्ती जिलों मे नियमित रूप से नार्को कोडिनेशन सेंटर तंत्र (एनकोर्ड) की बैठक लें एवं सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर आंतरिक सुरक्षा की समीक्षा करे। जिससे ड्रोन ड्रॉपिंग एवं मादक पदार्थों की अवैध तस्करी पर अंकुश लगाया जा सके।

मुख्य सचिव पंत बुधवार को शासन सचिवालय में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा और निगरानी की समीक्षा के लिए गठित राज्य स्तरीय स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों में स्थित आउटपोस्ट पर निगरानी के लिए तकनीकी संसाधनों उन्नयन के साथ मानवीय संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इसमें किसी भी प्रकार की कटौती नहीं करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सीमावर्ती जिलों में

निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे, एंटी ड्रोन सिस्टम की उपलब्धता और आवश्यकता के लिए संबंधित कलक्टर, एसपी से फीडबेक लिया। उन्होंने कलक्टर, एसपी को फील्ड में सरप्राईज विजिट, रात्रि चौपाल आयोजित कर आमजन के साथ संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलों में 'मानस' हैल्पलाईन के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए जिससे मादक पदार्थों की अवैध तस्करी को रोकने के लिए प्रभावी सूचना तंत्र विकसित किया जा सकें।

बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर आत्माराम सावंत ने उन्नत तकनीकी एवं संसाधनों के उपयोग से सीमावर्ती जिलों में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे एवं एंटी ड्रोन सिस्टम की खरीद के लिए डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस अधीक्षकों को सीमावर्ती जिलों में सरप्राईज फील्ड विजिट एवं सघन नाकाबंदी के निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस महानिदेशक (इन्टेलिजेन्स) संजय कुमार अग्रवाल ने गत बैठक में लिए गए निर्णयों की प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर गृह विभाग के सयुंक्त शासन सचिव महेंद्र खींची उपस्थित रहे। इसके साथ ही जैसलमेर, बाड़मेर, गंगानगर, बीकानेर, फलौदी के कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक, बीएसएफ, कस्टम सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने वीसी के ज़रिए भाग लिया।

बुर्रहानुद्दीन चिश्ती का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ मे सम्पन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। निकटवर्ती ग्राम ताला की ऊँचि डूँगरी पर विराजमान हिन्द मुस्लिम एकता के प्रतीक हज़रत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह का 2 वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ में विधिवत सम्पन्न हो गया। ग्राम पंचायत ताला के सरपंच अमीर खान शेख व सूफ़ी अब्दुल रज्ज़ाक खान शेख़ ने बताया कि 9 सितम्बर मंगलवार को दरगाह के बुलंद दरवाज़े पर झण्डे की रस्म की अदायगी के साथ ही उर्स की शुरुआत हुई इसी के साथ जायरीनों के जत्थे आना शुरू हो गया, रात्रि 9 बजे बाद मिलाद उन नबी कमेटी के द्वारा मिलाद शरीफ हुई जिसमें खुदा के हुकम व नबी के बताए तरीके पर चलने की बात कही गई, इसके बाद में सम्पूर्ण रात्रि तक राजस्थान प्रदेश की कव्वाल पार्टियों द्वारा बाबा की मान मनुहार की गई।

इसी प्रकार 10 सितम्बर बुद्धवार को सुबह 7 बजे के देग को लुटाने की रस्म की अदायगी हुई।

नारायणपुर से हिन्द जायरीनो का जत्था ताला में पहुचा जहा पर दरगाह कमेटी के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद में सुबह 9 बजे बाद में सामूहिक कव्वाल पार्टियों के द्वारा बाबा की मान मनुहार की गई व 11 बजे कूल की रस्म के साथ ही उर्स का समापन हुआ।

दोपहर 12 बजे सराहनीय कार्य करने वालों का सम्मान किया गया। हाजी इशाक खान द्वारा 10 देग नमकीन चावल (चावल,आलू व मटर की बिरयानी) बनवाकर जायरिनों को वितरण करवाई उन्होंने बताया कि ये लंगर पूर्व की भांति हमेशा चलेगा। इस अवसर पर डॉक्टर रिजवान अहमद, अब्दुल अज़ीज़ लोहानी, मोहसिन खान आदि की दस्तारबंदी की गई।

पूर्व सरपंच फ़क़ीर ख़ान शेख़, पूर्व सरपंच अन्नू खान, अनवर खान (रेलवे विभाग वाले), हाजी शकूर खान शेख, पप्पू खान शेख,हाजी ईशाक सिलार, ईशाक खान ताला, इमामुद्दीन (वाटरवर्क्स वाले) आदि उपस्तीथ थे।

SI भर्ती घोटाले पर कांग्रेस-भाजपा की मिलीभगत उजागर

-हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद भी मंजू शर्मा पर FIR क्यों नहीं- आप राजस्थान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सब इंस्पेक्टर परीक्षा पेपर लीक मामले ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) में व्याप्त भ्रष्टाचार और कांग्रेस-भाजपा के नाजायज सम्बन्धों को पूरी तरह उजागर कर दिया है। राज्य की भाजपा सरकार रसूखदार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय उन्हें बचाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी के राजस्थान प्रभारी धीरज टोकस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय हुए इस बड़े घोटाले में भाजपा सरकार की भूमिका भी संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार कठोर कार्रवाई करने की बजाय आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। टोकस ने कहा कि "पेपर लीक कोई एक व्यक्ति का काम नहीं हो सकता। यह संगठित टीमवर्क है, जिसमें आरपीएससी के चेयरमैन और सदस्यों की भूमिका की गहन जांच होनी चाहिए, जो अब तक नहीं हुई।" उन्होंने मांग की कि भजनलाल सरकार तत्कालीन कांग्रेस शासन में नियुक्त की गई मंजू शर्मा सहित सभी आरपीएससी सदस्यों पर एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर मंजू शर्मा को बचा रही है क्योंकि वह कवि कुमार विश्वास की पत्नी हैं और उनके मामले में ढिलाई बरतकर घोटाले की सच्चाई दबाई जा रही है। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट की एकल पीठ ने पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी थी, लेकिन दो दिन पहले डबल बेंच ने उस आदेश पर रोक लगा दी है।

सहप्रभारी घनेंद्र भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच मिलीभगत कई बार उजागर हो चुकी है। वरना कोई कारण नहीं था कि घोटाला उजागर होने के बाद भी मंजू शर्मा भाजपा सरकार में पद पर बनी रहीं। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणियों

के दबाव के बाद ही मंजू शर्मा का इस्तीफा हुआ, जबकि भाजपा सरकार ने उन्हें पहले नहीं हटाया। जबकि मंजू शर्मा की नियुक्ति कांग्रेस शासन काल में अक्टूबर 2020 में हुई थी, जबकि भजनलाल शर्मा सरकार को बने 19 महीने बीत चुके हैं उसके बावजूद भी राज्य सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया बल्कि उनको बचाने के लिए सत्ता का दुरुप्रयोग करते रहे, आम आदमी पार्टी की मांग है कि भले ही मंजू शर्मा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे संपर्क है किंतु मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

विशेष योग्यजनों एवं वृद्धजनों के संबल का आधार बनेगा 'सक्षम जयपुर अभियान'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा अनुसार जयपुर में जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'सक्षम जयपुर अभियान' विशेष योग्यजनों एवं वृद्धजनों के संबल का आधार बनता जा रहा है। जयपुर के नगर निगम क्षेत्रों में 12 सितंबर से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार की बजट घोषणा एवं भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना तथा एडीआईपी योजना के अंतर्गत आयोजित होने वाले इन शिविरों में जिले में विशेष योग्यजन एवं बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को शिविरों में प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक राहत पहुंचाने के निर्देश दिये हैं। जिला कलक्टर ने सभी पात्र व्यक्तियों से अपील की है कि वे निर्धारित शिविरों में उपस्थित होकर उपकरणों का लाभ उठाएं और इस अभियान को सफल बनाएं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बी.पी. चंदेल ने 12 सितंबर को कार्यालय

उपायुक्त नगर निगम मानसरोवर एवं जगतपुरा में, 15 सितंबर को कार्यालय उपायुक्त नगर निगम विद्याधर नगर एवं मुरलीपुरा में, 16 सितंबर को कार्यालय उपायुक्त झोटवाड़ा में, 17 सितंबर को कार्यालय उपायुक्त नगर निगम मालवीय नगर शिविर स्थल नगर निगम ग्रेटर कार्यालय, उपायुक्त नगर निगम सांगानेर शिविर स्थल पंचायत समिति सांगानेर में, 18 सितंबर को कार्यालय उपायुक्त नगर निगम सिविल लाइन, कार्यालय उपायुक्त नगर निगम किशनपोल में 19 सितंबर को कार्यालय उपायुक्त नगर निगम हवामहल एवं आमेर में, 23 सितंबर को कार्यालय उपायुक्त नगर निगम आदर्श नगर में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बी.पी. चंदेल ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा 'सक्षम जयपुर अभियान' के प्रथम चरण में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हीकरण शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें पात्र लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार ट्राई-साइकिल, व्हीलचेयर, कैलिपर, वॉकिंग स्टिक, कमर व घुटने की बेल्ट, सर्वाइकल कॉलर, बैशाखी, वॉकर, ट्राइपॉड, श्रवण यंत्र, कृत्रिम डेन्चर एवं चश्में उपलब्ध करवाए जाएंगे।

भामाशाह मोहन लाल कुड़ी ने 5 लाख 21 हजार रुपये दान में दिए

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भामाशाह मोहन लाल कुड़ी साहब ने श्री वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में कमरे के निर्माण के लिए 5 लाख 21 हजार रुपये दान में दिए। यह दान मंदिर के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है। कुड़ी साहब ने कहा कि समाज सेवा करना केवल दूसरों की मदद करना नहीं है, बल्कि यह खुद को भी एक बेहतर इंसान बनाने का जरिया है। यह मानवता के प्रति समर्पण का भाव है जो समाज और राष्ट्र दोनों के लिए लाभदायक है। कुड़ी ने कहा कि जिस तरह फोजी सीमा पर रक्षा करता है उसी प्रकार समाज सेवक समाज हित के कार्य कर देश की सेवा का कार्य कर रहे है। उल्लेखनीय है कि कुड़ी साहब विद्यालयों में कम्प्यूटर मय सामान के देते रहते है विद्यालयों की चार दिवारी, चबूतरा और स्वागत द्वार बनाते रहते है सर्वाधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों व विद्यालयों के विकास कार्यो के लिए 53 हजार भी दिए थे सामूहिक विवाह सम्मेलनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है व ग़रीबो की तन मन धन से सदैव मदद करते रहते है।

वीर तेजाजी महाराज एक प्रमुख लोकदेवता हैं, जिन्हें राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में बहुत सम्मान और श्रद्धा के साथ पूजा जाता है। वे अपनी वीरता, न्यायप्रियता और समाज के लिए किए गए कार्यों के लिए प्रसिद्ध हैं।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से संम्मानित प्रतिनिधि मंडल ने की राज्यपाल से मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश के भारत सरकार के युवा एवम खेल मंत्रालय से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से संम्मानित राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से संम्मानित समाज सेवियों ने रवि शंकर धाभाई के नेतृत्व में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से आज राज भवन में शिष्टाचार मुलाकात की और अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर धाभाई द्वारा राज्यपाल का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से पुरस्कृत प्रतिनिधि मंडल में सुरेश कुमार शर्मा, हंसराज वर्मा, इत्यादि गो सेवक गिरिराज प्रसाद शर्मा, मौजूद थे । इस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व जयपुर के वरिष्ठ समाज सेवी रवि शंकर धाभाई ने किया जो कि स्वयं भी एक राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से संम्मानित व वर्ष 1984 व 1989 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह व आर.वेंकटरमन से राष्ट्रपति स्काउट व राष्ट्रपति रोवर अवार्ड व राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा पुरस्कार से संम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता है। इस अवसर पर प्रतिनिधित्व मंडल द्वारा अन्य प्रदेशों में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से संम्मानित व्यक्तियों

को मिल रही कई प्रकार की सुविधाओं से राज्यपाल महोदय अवगत कराया और ठीक इस प्रकार सुविधाओं को राजस्थान प्रदेश में भी लागू करवाने की सिफारिश राजस्थान सरकार को करने का अनुरोध किया गया।

लंबित कृषि कनेक्शन जारी करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं – ऊर्जा राज्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता पर विचार किये बगैर ही नए कृषि कनेक्शनों के डिमांड नोटिस जारी कर दिए गए। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार द्वारा आधारभूत संरचना एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर लंबित कृषि कनेक्शन जारी करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। उर्जा राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जोधपुर डिस्कॉम द्वारा 1 लाख 37 हजार 431 अविद्तीकृत व लेफ्ट आउट हाउसहोल्ड को विद्तीकृत करने के लिए 735.10 करोड़ रूपये की डीपीआर ग्रामीण विद्तीकरण निगम नई दिल्ली को 7 जुलाई, 2021 को भेजी गई। आरईसी द्वारा 89 हजार 941 हाउसहोल्ड्स को ग्रिड से या ऑफ ग्रिड से विद्तीकरण करने के लिए 433.6 करोड़ रुपए की स्वीकृति 26 जुलाई, 2021 को जारी की गई। इसकी विद्तीकरण समय सीमा 31 दिसम्बर 2021 थी परन्तु पूर्ववर्ती सरकार के समय ग्रिड से 68 हजार 609 कनेक्शनों में से 25 प्रतिशत कनेक्शन सीएलआरसी पर एवं शेष 75 प्रतिशत टर्नकी पर जारी करने के निर्देश देरी से दिये गये। इसके बाद आरईसी द्वारा इन कनेक्शनों को जारी करने की अवधि 15 फरवरी, 2022 तक बढाई गई। उन्होंने बताया कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा कार्य को दिनांक 15 मार्च, 2022 तक पूरा करने के निर्देश दिये गए। आरईसी द्वारा उक्त कार्य के लिए समय सीमा 15 मार्च, 2022 से आगे नहीं बढाने के कारण टर्नकी पर कोई भी कार्य नहीं हुआ तथा कम समय होने से सीएलआरसी पर 21 हजार 677 कनेक्शन ही हो पाये, जिसमें 54.32 करोड़ रूपये राशि व्यय हुई। इस कारण से फलौदी जिले में भी हाउसहॉल्ड के विद्तीकरण का कार्य नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह योजना बंद हो चुकी है। फलौदी जिले के लंबित कृषि कनेक्शनों को आरडीएसएस योजना के तहत शामिल कर जारी करने की कार्यवाही की जा रही है।

नगर निगम ने 8 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 9 केन्टर सामान जब्त किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में सेक्टर-10 कालीमाता मन्दिर मालवीय नगर, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, अजमेरी गेट से नारायण सिंह सर्किल तक, सुमेर नगर न्यू सांगानेर रोड़, खिरणी फाटक से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 8 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 9 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में सेक्टर-10 कालीमाता मन्दिर मालवीय नगर, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, अजमेरी गेट से नारायण सिंह सर्किल तक, सुमेर नगर न्यू सांगानेर रोड़, खिरणी फाटक से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 9 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 8 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड वाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ने किया सखी केंद्र का औचक निरीक्षण

-महिला सशक्तिकरण की अहम पहल है सखी वन स्टॉप सेंटर- सतीश परिहार

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सतीश परिहार ने बुधवार को जिले के शहीद राजमल राजकीय अस्पताल परिसर में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली, रजिस्टर में इंद्राज, कर्मचारियों की उपस्थिति, साफ-सफाई व्यवस्था तथा हिंसा से पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सहायक निदेशक ने बताया कि केंद्र पर हिंसा पीड़ित महिला को 24 घंटे परामर्श,

चिकित्सा, पुलिस और विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही पीड़ित महिला को 5 दिन तक निःशुल्क आश्रय सुविधा भी दी जाती है। उन्होंने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर योजना भारत सरकार की महिला सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचना चाहिए। निरीक्षण के समय केंद्र प्रशासक चंद्र ज्योति प्रजापति, काउंसलर संगीता शर्मा, आईटी वर्कर विशाल सुमन तथा पुलिस विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। सहायक निदेशक ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाली प्रत्येक महिला को समय पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनके मामलों का गोपनीयता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

सीसवाली में महिला कांग्रेस की बैठक संपन्न

-नारी न्याय सम्मेलन की तैयारियों पर हुआ मंथन

बारां (रॉयल पत्रिका)। महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बृजेश बैरवा के नेतृत्व में सीसवाली स्थित रामदेव जी महाराज मंदिर प्रांगण में महिला कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार सीसवाली आगमन पर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत में विशेष रूप से ब्लॉक अध्यक्ष मीना बैरवा, महासचिव गायत्री शर्मा एवं सचिव सीता नागर ने भूमिका निभाई। फूल-मालाओं, साफा-बंदी एवं शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया गया। बैठक से पूर्व अध्यक्ष बृजेश बैरवा ने रामदेव जी महाराज के मंदिर में धोक लगाकर क्षेत्र की खुशहाली एवं महिलाओं के सबल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय महिला

कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा तथा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार सीसवाली ब्लॉक स्तर पर शीघ्र ही नारी न्याय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं की आवाज को बुलंद करना, उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना तथा राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ाने को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि "भाया जी के कार्यकाल में सीसवाली क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य हुए थे, किंतु वर्तमान समय में हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही। जीव-जंतु, पशु-पक्षियों एवं मानव सेवा के क्षेत्र में भाया दंपत्ति पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया एवं बारां जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने कोई कमी नहीं छोड़ी।

उदयपुर में इंटरस्टेट 6वीं अंडरग्रेजुएट क्विज़ 2025 का सफल आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। इंटरस्टेट 6वीं अंडरग्रेजुएट क्विज़ 2025 का आयोजन गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर द्वारा कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल द्वारा "इंटरस्टेट 6वीं अंडरग्रेजुएट क्विज़ 2025" का सफल आयोजन किया गया। क्विज़ का विषय 'स्वस्थ शुरुआत, स्वस्थ भविष्य' रहा। इसमें पूरे भारत से 25 टीमों ने भाग लिया। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों की टीमें इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनीं। शीर्ष तीन स्थान अनंता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, राजसमंद, जीएमसीएच उदयपुर और आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर ने प्राप्त किए। विभागाध्यक्ष डॉ. मुकुल दीक्षित ने साझा किया कि यह क्विज़ राजस्थान के मेडिकल अंडरग्रेजुएट छात्रों के बीच लोकप्रिय हो चुकी है और वर्ष 2019 से लगातार छठी बार आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए अंकित अग्रवाल (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, गीतांजली ग्रुप), डॉ. आर. के. व्यास (माननीय कुलपति, गीतांजली यूनिवर्सिटी), डॉ. संगीता गुप्ता (डीन, जीएमसीएच), ऋषि कपूर (सीईओ, जीएमसीएच) और डॉ. मनिंदर कौर (अतिरिक्त प्राचार्य) उपस्थित रहे।

क्विज़ का संचालन क्विज़ मास्टर के रूप में डॉ. मेधा माथुर और डॉ. अंजना वर्मा ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. संजय मांडोट (जीएमसीएच, उदयपुर), डॉ. दिलीप कुमार एल. (पीआईएमएस, उदयपुर) और डॉ. योगेश सिंगल (पीआईएमएस, उदयपुर) सम्मिलित रहे। इस क्विज़ के सफल आयोजन में डॉ. हेमलता मित्तल, डॉ ज्योति जैन, डॉ. भगराज चौधरी, डॉ. मनीष मित्तल डॉ. डी. आर. बेनीवाल, डॉ. अमित कुमार, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. अंशिका जैन, डॉ. चिन्मय, डॉ. अनुराधा, डॉ. पूर्णिमा, डॉ. विचित्र, डॉ. मनीष, डॉ. हरलीन, डॉ. सोनम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलशानो ने किया। अन्य कॉलेजों के फैकल्टी सदस्य भी इस आयोजन में शामिल हुए। विजेताओं को नकद पुरस्कार, पुस्तकें और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

शहर चलो अभियान: जिले में 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक वार्डवार शिविरों का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शहर चलो अभियान 2025 के तहत 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक जिले के एक नगर परिषद एवं पांच नगर पालिकाओं में वार्डवार कलस्टर स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसमें 55 तरह के काम किए जाएंगे। आधे कार्य केंद्र की फ्लैगशिप योजनाओं से जुड़े भी होंगे। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम से चल रही योजनाओं को इसमें शामिल कर शिविर के माध्यम से प्रशासन द्वारा सभी विभागों के समन्वय से कार्य किए जाएंगे। शिविरों की शुरुआत 15 सितम्बर को होगी। इस दिन नगर परिषद बारां के वार्ड संख्या 1 से 4, नगर पालिका अटरू के वार्ड 1 व 2, अन्ता के वार्ड 3 से 7, मांगरोल के वार्ड 1 से 6, सीसवाली के वार्ड 1 से 4 एवं छबड़ा के वार्ड 1 से 5 में शिविर लगाए जाएंगे। 16 सितम्बर को बारां नगर परिषद के वार्ड 4 से 7, अटरू के वार्ड 3 व 4, मांगरोल के वार्ड 1 से 6, सीसवाली के वार्ड 1 से 4 एवं छबड़ा के वार्ड 1 से 5 में शिविर होंगे। 17 सितम्बर को नगर परिषद बारां के वार्ड 7, 8 एवं 10, अटरू के वार्ड 5 व 6, अन्ता के वार्ड 1, 2, 29 व 35, मांगरोल के वार्ड 1 से 6, सीसवाली के वार्ड 1 से 4 तथा छबड़ा के वार्ड 6 से 10 में कैंप आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 18 सितम्बर को बारां के वार्ड 9, 11, 12, 13, अटरू के वार्ड 7 व 8, अन्ता के वार्ड 1, 2, 29, 35, मांगरोल के वार्ड 7 से 12, सीसवाली के वार्ड 5 से 7 और छबड़ा के वार्ड 6 से 10 में आयोजन होगा। 19 सितम्बर को नगर परिषद बारां के वार्ड 13, 14, 15, अटरू के वार्ड 9 व 10, अन्ता के वार्ड 13, 14, 15, 31, 32, 33 व 34, मांगरोल के वार्ड 7 से 12, सीसवाली के वार्ड 5 से 7 एवं छबड़ा के वार्ड 11 से 16 में शिविर होंगे। वहीं 20 सितम्बर को बारां नगर परिषद के वार्ड 16 से 21, अटरू के वार्ड 11 व 12, अन्ता के वार्ड 13, 14, 15, 31, 32, 33 व 34, मांगरोल के वार्ड 13 से 18, सीसवाली के वार्ड 8 से 11 और छबड़ा के वार्ड 11 से 16 में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी, पंजीयन एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। प्रमुख कार्य जो अभियान के कैंप में होंगे।

सवाई माधोपुर के डॉ. गणपत लाल वर्मा वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे पर कोटा में सम्मानित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे के अवसर पर Vinay Gulati Physiotherapy Center में एक दिवसीय निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में 350 से अधिक मरीजों की जाँच की गई और उन्हें उचित फिजियोथेरेपी उपचार प्रदान किया गया। कोटा में शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक एक भव्य फिजियोथेरेपी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से अनेक फिजियोथेरेपिस्टों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी प्रोफेशनल फिजियोथेरेपिस्टों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में विशेष रूप से डॉ. गणपत लाल वर्मा (सवाई माधोपुर) को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और समाज में फिजियोथेरेपी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विनय गुलाटी, कोटा के जिला कलेक्टर पियूष समारिया, डॉ. पुष्पेंद्र एवं डॉ. अवतार दोई सहित कई वरिष्ठ विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

चूरू रेलवे लाइन पार कई कॉलोनीवासियों की समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सोपा गया

-भयंकर गंदगी और गंदे पानी की निकासी की समस्याओं से जूझ रहे हैं कॉलोनीवासी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वार्ड संख्या 22, में अग्रसेन पीएचसी के पीछे स्थित एसटीपी सिवरेज प्लोन्ट का बजट घोषणा अनुसार कार्य शुरू कर ओम कॉलोनी को गन्दे पानी व सिवरेज ऑवरफ्लो से निजात दिलाये जाने बावत कॉलोनी वासी जिला प्रशासन से मिले और ज्ञापन सोपा एवं कहा कि गत कई माह से नारकीय जीवन भोग रहे है तथा सिवरेज का गन्दा पानी सड़क पर बहकर सड़क को तोड़ चुका तथा उक्त गन्दा पानी जमा होने से ओम कॉलोनी से फाटक का मुख्य रास्ता बन्द है तथा आस-पास उक्त फैली गन्दगी से कॉलोनी वासियो का जीवन बदबु से दुरभर है तथा उक्त भयंकर गन्दगी से बीमारिया फैलने की आशंका है तथा दूर शिव कॉलोनी से मोटर लगाकर पानी गलत रूप से मालियों की ढाणी में खुली डिग्गी में डाला जा रहा है और अधिक गन्दगी बढ़ा दी गई। जिससे उक्त रेलवे की पास बनी खुली डिग्गी व गन्दा पानी बड़ी मात्रा में पड़ा है जिसकी बदबु से इन्द्रमणी पार्क, मालियों की ढाणी व रेलवे स्टेशन तक सांस लेना दुरभर हो गया है तथा उक्त पानी की आवक अत्यधिक होने से मालियो की ढाणी कभी भी जलमग्न होकर

जनजीवन संकटग्रस्त हो सकता है तथा अग्रसेन एसटीपी छोटी होने से इधर बसी सभी कॉलोनियो का गन्दा पानी डाल पाने में असक्षम है तथा बजट घोषणा 2025 में राज्य सरकार द्वारा उक्त एसटीपी को बढ़ा करने तथा सिवरेज जल को अन्यत्र रतननगर की तरफ वनक्षेत्र की तरफ डाले जाने बाबत कार्य योजना बनने की भी सूचना है लेकिन उक्त योजना को अमलीजामा नहीं पहनाने से सिवरेज चौक है व गन्दा पानी उक्त कॉलोनी के आमजन को परेशान कर रहा तथा जब सिवरेज लाईन डाली जा चुकी है तो खुली डिग्गी स्वतः बन्द हो जानी चाहिए थी लेकिन सिवरेज लाईन डालने के बावजुद दक्षिणी चूरू में शिव कॉलोनी, ओम कॉलोनी, मालियों की ढाणी, रेलवे कॉलोनी, रामसरा रोड़, मंगल कॉलोनी, की खुली डिग्गी जिनमें अथाह गन्दा पानी सिवरेज योजना व योजनाकारों की विफलता का द्योतक है। इस कारण तुरन्त बजट घोषणानुसार एसटीपी बड़ी बनाई जाकर पानी दूर वनक्षेत्र या अन्यत्र में शिफ्ट कर गन्दगी से त्रस्त ओम कॉलोनी व मालियो की ढाणी की जनता की जीवन की मूल भूत आधार की रक्षा की जावे व लोक कल्याणकारी जनशासन की सार्थकता को अन्जाम देवे ओर वार्ड नं. 22. मे ही झुंझार जी कुआ के पास, ओम कोलोनी, चूरू से मैन रोड पर सिवरेज का गन्दा पानी बहने व रास्ता बन्द होने के कारण तुरन्त उक्त गन्दा पानी हटाये जाने व सिवरेज से पानी निकासी तुरन्त किया जाए । कॉलोनी वासियों का एक प्रतिनिधिमंडल एडवोकेट राजेंद्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में जिला कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन सोपा।

चयनकर्ता की करतूत, बिना खेले ही राज्य स्तर के लिए कर लिया अपने बेटे का चयन

-चूरू जिले की रग्बी फुटबॉल टीम के चयन में गड़बड़ी का आरोप

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव में शास्त्री पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय बास ढाकान की टीम के खिलाड़ियों के साथ हुआ अन्याय जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक संतोष महर्षि को अवगत करवाया चूरू में 69वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत रग्बी फुटबॉल में 17 वर्षीय छात्र वर्ग की टीम का चयन गलत रूप से किए जाने का मामला सामने आया है। एक चयनकर्ता ने बिना खेले ही अपने बेटे का चयन राज्य स्तर पर खेलने वाली चूरू जिले की टीम में कर लिया है। शास्त्री पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय बास ढाकान के प्रधानाचार्य सुग्रीव शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक संतोष महर्षि को ज्ञापन भेजकर अवगत करवाते हुए लिखा है कि उनकी टीम ने प्रतियोगिता के दौरान एक भी मैच में विपक्षी टीम को खाता नहीं खोलने दिया। सभी टीमों को शून्य पर ही रखा और विजेता बनी। चयनकर्ताओं ने उनकी टीम के सिर्फ चार खिलाड़ियों का ही चयन किया है, जबकि कम से कम सात खिलाड़ियों का चयन होना चाहिए था। यह उनकी टीम के खिलाड़ियों के साथ सरासर अन्याय और प्रतिभाओं का हनन है। कोच देवेंद्र लाम्बा ने बताया कि एक चयनकर्ता ने तो बिना खेले ही राज्य स्तर पर खेलने के लिए अपने बेटे का चयन कर लिया है। चयनकर्ताओं ने इस प्रतियोगिता के प्रभारी की बात को भी अनदेखा कर दिया। ज्ञापन के माध्यम से टीम का चयन पुनः करने की मांग की गई है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक संतोष महर्षि ने कहा कि वे कभी भी गलत का साथ नहीं देंगे। महर्षि ने कहा कि जांच में समय तो लगेगा, वे खिलाड़ियों के साथ न्याय करेंगे। इस संबंध में गोविंद सिंह राठौड़ जिला शिक्षा अधिकारी समर्ग शिक्षा चुरु ने कहा संबंधित को जांच हेतु पाबंद कर दिया है। कुल मिलाकर बेईमान और अपने कर्तव्य के साथ खिलवाड़ करने वाले चयनकर्ताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का मनोबल ना टूटे। इस मामले में उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए।

शहर चलो अभियान से पहले प्री-कैंप में लोगों ने समस्याएं लगाकर दर्ज करवाए आवेदन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे राज्य के नगर निकायों में "शहर चलो अभियान" चलाया जाएगा। इसी तैयारी के तहत बुधवार को हाउसिंग बोर्ड स्काउट ग्राउंड में प्री-कैंप का आयोजन किया गया। नगर परिषद आयुक्त नरसी मीना ने बताया कि इस प्री-कैंप में आमजन बड़ी संख्या में अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और विभिन्न प्रकार के आवेदन जमा करवाए। उन्होंने बताया कि प्री-कैंप में कुल 68 आवेदन जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से, 29 आवेदन मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से, 15 आवेदन भूमि शाखा से संबंधित, 12 आवेदन, 8 आवेदन साफ-सफाई से, 7 आवेदन निर्माण शाखा एवं सीवरेज से, 5 आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना से, 5 आवेदन रोड लाइट से, तथा 2 आवेदन अतिक्रमण

और सड़क संबंधी समस्याओं से प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार "शहर चलो अभियान" में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत व नई लाइट लगवाना, अवैध अतिक्रमण हटवाना, शौचालय की सफाई एवं रिपेयरिंग, विभिन्न प्रकार के पट्टे, भू-उपयोग परिवर्तन, नाम हस्तांतरण, भवन निर्माण स्वीकृति, एनओसी, स्ट्रीट वेंडर लाइसेंस, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना इत्यादि के आवेदन स्वीकार कर समाधान किया जाएगा। अभियान की तैयारी और लोगों की समस्याओं को चिन्हित कर उनके आवेदन प्राप्त करने हेतु नगर परिषद सवाई माधोपुर में 4 से 12 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर प्री-कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्री-कैंप में प्राप्त सभी आवेदन संबंधित विभागों को भेजकर जल्द ही उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि आमजन को सुविधा मिल सके और शहर की व्यवस्था बेहतर हो।

विद्यार्थियों ने जाना ईएलसी के दायित्व, लिया मतदान का संकल्प

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर तथा सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार एसएसआर में नव मतदाताओं के शत-प्रतिशत पंजीयन के उद्देश्य से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रातडिया (अंता) में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्वीप प्रभारी अमित भार्गव ने विद्यार्थियों को वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से फॉर्म-6 द्वारा घर बैठे मतदाता सूची में नाम जोड़ने, फॉर्म-6बी से ईपिक को आधार से लिंक करने तथा फॉर्म-8 से वोटर आईडी में संशोधन की ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही केवाईसी ऐप से अपने क्षेत्र के चुनावी उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने की विधि भी बताई।

सवाई माधोपुर के प्रसिद्ध फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गणपत लाल वर्मा वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे पर कोटा में सम्मानित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे के अवसर पर Vinay Gulati Physiotherapy Center में एक दिवसीय निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में 350 से अधिक मरीजों की जाँच की गई और उन्हें उचित फिजियोथेरेपी उपचार प्रदान किया गया। कोटा में शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक एक भव्य फिजियोथेरेपी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से अनेक फिजियोथेरेपिस्टों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी प्रोफेशनल फिजियोथेरेपिस्टों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में विशेष रूप से डॉ. गणपत लाल वर्मा (सवाई माधोपुर) को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और समाज में फिजियोथेरेपी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विनय गुलाटी, कोटा के जिला कलेक्टर पियूष समारिया, डॉ. पुष्पेंद्र एवं डॉ. अवतार दोई सहित कई वरिष्ठ विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार की वार्षिक साधारण सभा की बैठक का आयोजन जैन गेस्ट हाउस में मोहनलाल गढ़वाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। साधारण सभा की बैठक में उपाध्यक्ष राकेश कुमार ओझा, संचालक मंडल सदस्य अर्जुनराम कुल्हरी, भंवरलाल खीचड, रणजीत सिंह, दीपिका सैनी, सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक मदनलाल शर्मा व उप रजिस्ट्रार सहकारिता सुनील मांडिया सहित उपभोक्ता सदस्य ताराचंद सैनी, संजय कुमार पूनिया, नौरतमल सैनी, अनिल कुर्बिलाव, रामोतार लोहिया, फतेहचंद सोती, बनवारी शर्मा, कमल बुढाढरा, मंगतुराम चोटिया, हरिशंकर मोहता, मोहनलाल दर्जी, ग्राम सहकारी समितियों के विभिन्न सदस्य उपस्थित हुए। भण्डार के वरिष्ठ सहायक राजेंद्र कुमार ठठेरा

ने एजेंडा अनुसार गत साधारण सभा की कार्यवाही का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए वर्ष 2024.25 की ऑडिट रिपोर्ट एवं ऑडिट आक्षेप पूर्ति रिपोर्ट सदन के सामने प्रस्तुत की जिस पर उपस्थित सदस्यों ने विस्तृत विचार. विमर्श उपरांत ऑडिट रिपोर्ट जारी करते हुए ऑडिट आक्षेप पूर्ति का अनुमोदन सहित चालू वित्त वर्ष 2025.26 के अंतिम लेखों का लेखा परीक्षण करवाने हेतु ऑडिटर की नियुक्ति सहित एनजीओ से एक कार्मिक के विरूद्ध तीन के गुणांक में अभ्यर्थी भिजवाए जाने तथा आगामी वित्त वर्ष में एनजीओ के चयन हेतु विज्ञप्ति जारी करने अथवा आरआईसीईएम से कार्मिक लिए जाने हेतु विचार. विमर्श उपरांत प्रस्ताव पारित किये गए। सहकारी बैंक के प्रबन्ध निदेशक एवं भंडार के पूर्व अध्यक्ष फतेहचंद सोतीए ने भी अपने विचार व्यक्त किये। भंडार अध्यक्ष मोहनलाल गढ़वाल एवं महाप्रबंधक हेमंत कुमार मीणा आदि ने आगंतुक पदाधिकारियों काआभार व्यक्त किया। आम सभा में सहयोगी भूमिका भंडार के कार्मिक विनोद शर्मा, अजयसिंह, सुदर्शन जोशी, राहुल शर्मा, दुलीचंद सैनी, इंदुबाला शर्मा एवं उपमा रक्षक आदि ने निभाई।

अल्पसंख्यक ऋणी एक मुश्त समाधान योजना-2025 का उठाए लाभ

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार ने राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड के माध्यम से एक मुश्त समाधान योजना-2025 लागू की है। यह योजना राज्य सरकार के बजट 2025-26 में शामिल की गई है, ताकि अल्पसंख्यक ऋणियों को उनके बकाया ऋण के भुगतान में राहत दी जा सके। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने बताया कि यह योजना दो चरणों में लागू होगी। प्रथम चरण 1 मई से 30 सितम्बर, 2025 तक और द्वितीय चरण 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 31 मार्च, 2024 तक के बकाया अतिदेय ऋणों को एकमुश्त जमा कराने पर विशेष छूट दी जाएगी। पहले चरण में यदि ऋणी अपना पूरा अतिदेय मूलधन एकमुश्त चुका देता है, तो उसे अतिदेय ब्याज और दंडनीय ब्याज (शास्ति) में शत-प्रतिशत छूट प्राप्त होगी। वहीं द्वितीय चरण में केवल दण्डनीय ब्याज में छूट दी जाएगी, जबकि ऋणी को मूलधन के साथ ब्याज भी जमा करना आवश्यक होगा। दोनों ही चरणों में ब्याज एवं शास्ति की गणना उस दिनांक तक की जाएगी, जब ऋणी अपने बकाया ऋण का भुगतान करेगा।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 12 सितंबर से कुदाल भवन में आयोजित होगा। जिसके तहत 12 सितंबर को सुबह 9:00 बजे गढ़ स्थित गोपाल जी मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें महिलाएं मांगलिक कलश लेकर गोपाल जी मंदिर से कुदाल भवन तक आएंगी। कथा का समय दिन में 2:00 बजे से 6:00 तक रहेगा। आयोजन समिति के संयोजक प्रकाश कुदाल एवं महेश कुदाल ने बताया कि लाडनू के संत मुरारी लाल दाधीच के मुखारविंद से प्रतिदिन यह कथा आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को पूर्णाहुति की जाएगी। उन्होंने सभी नगर वासियों से अपील की है कि इस कथा में उपस्थित होकर पुण्य का लाभ कमाए।

जिला कलक्टर ने किया राजकीय चिकित्सालय का निरीक्षण

-पीएमओ को दिए रोगियों को समुचित उपचार, दवा व साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने मंगलवार को राजकीय जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय अधिकारियों को निर्देश दिया कि रोगियों को समुचित उपचार दवा उपलब्ध करवाते हुए साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार किया जाए। उन्होंने अल्ट्रासाउंड मशीन सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की आरएमआरएस के माध्यम से खरीद करने के भी निर्देश दिए। विगत दिवस जिला राजकीय चिकित्सालय में दो नवजात की मृत्यु प्रकरण में आवश्यक जांच के लिए पहुंची जिला कलक्टर ने चिकित्सालय प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रसूताओं के साथ-साथ यहां आने वाले समस्त रोगियों की गंभीरता से जाँच हो। चिकित्सालय में आवश्यक उपचार और दवाएं उपलब्ध कराए जाएं। रोगियों को अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़े। निरीक्षण के दौरान जिला

कलक्टर ने लेबर रूम में भर्ती महिलाओं और जच्चा-बच्चा वार्ड में प्रसूताओं व नवजात शिशुओं की नियमित देखभाल के निर्देश देते हुए कहा कि स्टाफ की कमी होने पर आवश्यक व्यवस्था की जाए। गर्भ में नवजात ह्रदय की धड़कन जांचने की मशीन, सीटीजी मशीन, अल्ट्रासाउंड मशीन सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की खरीद आरएमआरएस के माध्यम से करते हुए रोगियों को समुचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। जिला कलक्टर ने बताया कि नवजात प्रकरण की जांच के साथ-साथ उन्होंने गत एक वर्ष में ऐसे प्रकरणों की तथ्यात्मक रिपोर्ट जिला चिकित्सालय प्रशासन से मांगी है। साथ ही प्रकरण की जांच के लिए पीएमओ, राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और डिप्टी सीएमएचओ की कमेटी गठित की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार रोगियों को समुचित चिकित्सा व्यवस्थाएं उपलब्ध हो, इसके लिए चिकित्सालय प्रशासन को पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है।

जिला कलक्टर ने वीसी के माध्यम से ली समीक्षा बैठक

-ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहर चलो अभियान में पात्र वंचित को मिले लाभ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। बैठक में ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहर चलो अभियान की तैयारी, वित्तीय समावेशन शिविर तथा संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर 17 सितम्बर से तथा शहर चलो अभियान 15 सितम्बर से प्रारंभ होगा। इसमें प्री-कैंप आयोजित कर वंचितों से आवेदन प्राप्त कर लाभ वितरित किया जाए। विभागीय अधिकारी घर-घर सर्वे कर पात्र लाभार्थियों की पहचान कर योजनाओं से जोड़ें। वित्तीय समावेशन शिविर भी सम्मिलित किए जाएं। शिविरों में जन धन खाते, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, मुख्यमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित अन्य वित्तीय योजनाओं को संतृप्ति स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया

जाए। बैंक अधिकारियों के साथ समन्वय कर पात्र वंचितों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को लंबित फॉर्मर रजिस्ट्री, सहमति से विभाजन, राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की नोटिस तामील, म्यूटेशन सहित अन्य ऑनलाइन सेवाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को स्वामित्व योजना, हरियालो राजस्थान, स्वच्छ भारत मिशन एवं अन्य योजनाओं की प्रगति शिविरों के माध्यम से सुनिश्चित करने को कहा। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को शिविरों में यूडीआईडी कार्ड सहित स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा नगरीय निकाय क्षेत्रों में वार्ड पार्षदों के साथ बैठक कर अधिकाधिक आमजन को जोड़ा जाए। शिविरों में हेल्प डेस्क स्थापित कर आवेदन करने में सहायता एवं जानकारी दी जाए। जिला कलक्टर ने अतिवृष्टि से हुई क्षति पर चर्चा करते हुए प्रभावितों द्वारा आवेदन करने, जर्जर भवनों की मरम्मत, फसल खराबे का सर्वे एवं गिरदावरी समय पर करने के निर्देश दिए।

वित्तीय समावेशन शिविरों के माध्यम से करें आमजन को लाभान्वित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। वित्तीय समावेशन शिविरों के माध्यम से आमजन को लाभान्वित करने के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु ने बैंकर्स को निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में मंगलवार को वित्तीय समावेशन शिविरों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इसमें आमजन को लाभान्वित करने के निर्देश प्रदान किए गए। शिविरों के कार्यों में संख्यात्मक दृष्टि से वृद्धि करने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। बैंक शाखाओं के लक्ष्य निर्धारित करें। उसी के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक बैंक के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रत्येक शाखा की योजनावार समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम के समस्त शिविर आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा चलाए जा रहे गांव चलो अभियान के शिविरों के साथ वित्तीय समावेशन शिविर भी आयोजित होंगे। इसी प्रकार शहर चलो अभियान के शिविरों में भी बैंकों द्वारा वित्तीय समावेशन सम्बन्धी गतिविधियां की जाएगी। इन दोनों अभियानों के प्री-कैम्प में भी बैंकर्स सक्रिय रूप से भागीदारी निभाएंगे। उन्होंने वित्तीय समावेशन शिविर में प्रगति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। राज्य सरकार की मंशा अनुसार वित्तीय योजनाओं का लाभ आमजन को मिले। इसमें कम प्रीमियम में दुर्घटना होने पर बड़ी राशि मिलने से विपरीत समय में आर्थिक सहायता मिलती है। वित्तीय योजनाओं में संतृप्तता सुनिश्चित की जाए।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए समीक्षा बैठक हुई आयोजित

बाल विवाह में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही

झालावाड़(रोयल पत्रिका) । जिले में बाल विवाह की रोकथाम हेतु की जा रही गतिविधियों की समीक्षा बैठक मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर अभिषेक चारण की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित की गई।बैठक के दौरान जिले में बाल विवाह की रोकथाम हेतु किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि अक्षय तृतीया, पीपल पूर्णिमा जैसे विशेष अवसरों के अतिरिक्त अन्य विशेष सावों के दौरान भी अभियान चलाकर बाल विवाह रूकवाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला एवं ब्लॉक स्तर पर गठित विभिन्न सहायता समूह, महिला समूह, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला सुरक्षा सखी, साथिन, सहयोगिनी सहित ग्राम विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों को बाल विवाह की रोकथाम हेतु सक्रिय रहकर कार्य करने के लिए पाबंद करें। साथ ही ग्राम सभाओं में सामूहिक रूप से बाल विवाह के दुष्प्रभावों एवं इसकी रोकथाम हेतु

आवश्यक चर्चा करें। उन्होंने कहा कि बाल विवाह में योगदान देने वाले एवं सम्मिलित प्रत्येक व्यक्ति के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए एफआईआर की कार्यवाही भी अमल में लाई जाए ताकि बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर रोकथाम लगाई जा सके।इस दौरान उपखण्ड अधिकारी भवानीमण्डी श्रृद्धा गोमे ने बाल विवाह की रोकथाम हेतु चाईल्ड हैल्पलाइन 1098, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल 181 कॉल सेन्टर पर तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष के नम्बरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की बात कही। इस दौरान बाल कल्याण समिति की सदस्य पूर्णिमा सिकरवार ने बाल विवाह की रोकथाम के संबंध में सुझाव देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित जनप्रतिनिधियों से भी बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूकता फैलाने एवं सक्रिय रहने का आग्रह करें।बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सुरेन्द्र कुमार पूनिया ने बाल विवाह की रोकथाम हेतु आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संबंधित पोर्टल पर आयोजित गतिविधियों को अपलोड कराने एवं प्रचार-प्रसार कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में 36 व वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 20 बाल विवाह के प्रकरण प्राप्त हुए जिनको आपसी समझाइश एवं पाबंदी कार्यवाही कर निस्तारित करवाया गया है।

पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय में प्रबंध समिति की बैठक हुई सम्पन्न

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका) । विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक का आयोजन मंगलवार को जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय झालावाड़ में किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन बच्चों के सर्वांगीण एवं बौद्धिक विकास के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि विद्यालय की विभिन्न आवश्कताओं की पूर्ति के साथ हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम किस प्रकार विधार्थियों को बेहतर से बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। बैठक में विद्यालय के प्राचार्य वेद प्रकाश मीणा ने पीपीटी के माध्यम से विद्यालय में बच्चों के नामांकन, परीक्षा परिणाम, आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों,

विद्यालय में कार्यरत स्टाफ सहित अन्य आवश्यक जानकारी से जिला कलक्टर एवं समिति के सदस्यों को अवगत कराया।
बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए पीएम स्कीम के अंतर्गत पारित बजट की प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन स्वीकृति, विद्यालय भवन के सीमित बजट प्रावधान के अनुसार आवश्यक मरम्मत कार्य, परीक्षा विभाग के लिए जेरोक्स मशीन, कम्प्यूटर लैब व पुस्तकालय के लिए एसी, कम्प्यूटर लैब व प्राचार्य कक्ष के लिए इन्वर्टर व बेट्री की खरीद, इंटरैक्टिव पैनल संचालन एवं बेहतर इन्टरनेट कनेक्टिविटी के लिए विद्यालय भवन में वाई-फाई जोन निर्माण, सत्र 2025- 26 में वार्षिकोत्सव एवं वार्षिक खेलकूद दिवस आयोजन सहित अन्य बिन्दओं पर चर्चा की गई।

सायला में एसीबी द्वारा "भ्रष्टाचार पर प्रहार" जन जागरूकता कार्यशाला के माध्यम से नागरिकों को किया गया जागरूक

जालोर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को पंचायत समिति सायला के सभागार में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान, जयपुर द्वारा संचालित सजग ग्राम योजना के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ की उपस्थिति में "भ्रष्टाचार पर प्रहार" जन जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशला में भ्रष्टाचार-मुक्त व पारदर्शी प्रशासन की प्रतिबद्धता को सशक्त बनाने के लिए आमजन को भ्रष्टाचार के खिलाफ सजग करने के साथ ही उन्हें अपने कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई तथा ब्यूरो मुख्यालय की हेल्पलाईन नंबर 1064 व वाट्सअप नं. 9413502834 के संबंध में अवगत करवाते हुए किसी भी राज्य/केन्द्रीय कर्मचारी/अधिकारी द्वारा वैध कार्य के बदले रिश्वत मांगने पर हेल्प लाईन/वाट्सअप नंबर पर कॉल कर शिकायत करने के लिए जागरुक किया गया। कार्यशाला में एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने बताया कि भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे निर्भीक होकर रिश्वतखोरी या किसी भी प्रकार के भ्रष्ट आचरण की जानकारी एसीबी को दें, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई संभव हो सके। कार्यशाला में एसीबी द्वारा "किसी मेहनत की कमाई रिश्वतखोरों को न दें" का संदेश साझा करते हुए जालोर एसीबी का संपर्क नंबर एवं वॉट्सएप नंबर जारी कर नागरिकों को सीधी शिकायत दर्ज कराने की सुविधा के बारे में जानकारी दी गई।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी अपने प्रत्येक कर्तव्यों का निर्वहन

-एडीएम बाल विवाह प्रतिषेध के संबंध में समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में अटल सेवा केन्द्र में वीसी के माध्यम से समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने उपखण्ड अधिकारी एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धन परिवार में बाल विवाह होने की संभावना अधिक रहती है। ग्राम पंचायतों में होने वाली ग्राम सभाओं में एवं नो बैग डे के दिन विद्यालयों में छात्र-छात्राओं से निबंध प्रतियोगिता प्रार्थना सभा के दौरान बाल विवाह से होने वाले हानियों के बारे में जागरूक करे एवं उपखण्ड अधिकारी समस्त तहसीलदार, पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी के माध्यम से निर्धन परिवारों को बाल विवाह से होने वाली हानियों एवं रूढ़वादी परम्पराओं को

छोड़ने के लिए जागरूक करें। बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी अपने प्रत्येक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बाल विवाह को रोकने का अधिक से अधिक प्रयास करें। उन्होंने सभी अधिकारियों से बाल विवाह रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि बाल विवाह न केवल बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, बल्कि समाज के समग्र विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने संबंधित विभागों को अभियान को गति देने, लक्षित क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने तथा जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बाल विवाह करने वाले कोई भी व्यक्ति के बारे में हेल्पलाइन नम्बर 1098, 100 या 181 पर बाल विवाह की सूचना दे सकते है। जिसमे उसकी पहचान गोपनीय रहेगी। बाल विवाह के सूचना पर तत्काल जारी होगी निषेधाज्ञा। उन्होंने सभी बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को बाल विवाह की सूचना पर तत्काल प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट से निषेधाज्ञा जारी करवाने के निर्देश दिए। निषेधाज्ञा जारी होने के बाद भी यदि शादी होगी तो वह प्रारम्भ से ही शून्य होगी। उसका कोई पंजीकरण नहीं हो सकेगा और पता चलने पर तत्काल एफआईआर होगी।

महिला अधिकारिता विभाग दस दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान 12 सितम्बर तक होगा संचालित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार मिशन शक्ति योजना संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमन के तहत दस दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान शुक्रवार 12 सितम्बर तक संचालित होगा। इसके अन्तर्गत मंगलवार को जिला स्तर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला जन अधिकार समिति के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के महिला अधिकारिता विभाग की उप निदेशक मेघा रतन ने कहा कि सरकार महिलाओं के प्रति बहुत ही संवेदनशील है एवं सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी विशेषकर महिला उत्थान से संबंधित महिलाओं को होनी आवश्यक है ताकि महिलाओं में स्वरोजगार की भावना विकसित होकर आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत महिलाओं एंव बालिकाओं में कौशल विकास

तथा जन जागरूकता कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। राजस्थान सरकार द्वारा विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना अन्तर्गत निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें कम्प्यूटर, ब्यूटी एण्ड वैलनेस, इलेक्ट्रोनिक्स, हैल्थ सेक्टर, बैंकिंग एण्ड फॉईनेस, फैशन डिजाईनिंग एवं हैण्डीक्राफ्ट का प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति योजना संकल्प के तहत दस दिवसीय जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत बुधवार 10 सितम्बर को जागरूकता कार्यक्रम एवं फील्ड विजिट की जाएगी। यह कार्यक्रम पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता विभाग द्वारा ब्लॉक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसमें ग्राम साथिन एवं स्वयंसेवी संगठन के प्रतिनिधिगण सहित अन्य सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। इसके तहत जिला हब, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र, महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र व वन स्टॉप सेंटर सखी केन्द्र के पराशर्मादाताओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार गुरूवार 11 सितम्बर को बाल सभा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा। पोक्सो एक्ट के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें ग्राम साथिन एवं स्वयंसेवी संगठन के प्रतिनिधि गण सहित अन्य सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। जिला स्तर पर बालिकाओं का शैक्षणिक भ्रमण करवाया जाएगा। शुक्रवार 12 सितम्बर को विज्ञान प्रदर्शन एवं एक्सपोजर विजिट करवाई जाएगी।

महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित कानूनों और योजनाओं पर जिला स्तरीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का हुआ आयोजन

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग, बूंदी द्वारा संकल्प: एचईडब्ल्यू दस दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक निजी होटल में महिला केंद्रित एवं बच्चों से सम्बन्धित कानूनों एवं योजनाओं पर सोमवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने की। उद्घाटन सत्र में सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता, भैरूप्रकाश नागर ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित कानूनों और योजनाओं की जानकारी समाज के अधिक से अधिक वर्ग तक पहुँचाना और लोगों में जागरूकता बढ़ाना हैं। जेंडर विशेषज्ञ विनीता अग्रवाल ने दस दिवसीय अभियान के

बारे में सम्पन्न हुई और आगामी गतिविधियों के बारे में बताया। जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, विशिष्ट अतिथि एड संजय जैन, बार एसोसिएशन एवं हरीश कुमार तिवारी अध्यक्ष निजी विद्यालय एसोसिएशन ने अपने उद्बोधन में महिला अधिकारिता टीम के कार्यों की प्रशंसा करते हुए विद्यालय स्तर पर कानूनी कार्यशालायें आयोजित करने का अनुरोध किया। पहले सत्र में एडवोकेट प्रिया मिश्रण ने विधिक परामर्शदाता, महिला अधिकारिता ने पोक्सो एक्ट 2012 पर विस्तृत जानकारी देते हुए बच्चों की सुरक्षा और रिपोर्टिंग प्रक्रिया समझाई। जबकि वन स्टॉप सखी सेंटर केन्द्र प्रबंधक, हिना शर्मा ने घरेलू हिंसा अधिनियम (2005) पर अपने विचार रखे। अगले सत्र में वक्ता लोकेश कुमार जैन ने ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर अपराध के प्रकार, रोकथाम के उपाय व रिपोर्टिंग की जानकारी दी। एक्शनएड एसोसिएशन,जिला समन्वयक, ज़हीर आलम ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न और महिला श्रमिकों हेतु चलाए जा रहा है।

सहायक कृषि अधिकारियों व कृषि पर्यवेक्षकों की बैठक सम्पन्न

जालोर (रॉयल पत्रिका)। कृषि विभाग के समस्त सहायक कृषि अधिकारियों एवं कृषि पर्यवेक्षकों की मासिक बैठक कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कृषि रामलाल जाट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विभागीय अनुदान योजनाओं यथा-प्राकृतिक खेती, परम्परागत कृषि विकास योजना, आरकेवीवाई-सिंचित क्षेत्र विकास, नेशनल मिशन ऑन इडिबल ऑयल, तारबंदी, फार्म पौण्ड, कृषि यंत्र अनुदान, सिंचाई पाईपलाईन, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, भूमिहीन कृषि श्रमिक सम्बल, बैलों से खेती, बायोएजेन्ट/बायोपेस्टीसाईड अनुदानित दर पर वितरण एवं अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी गांव चलो अभियान में विभाग द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के साथ ही रासायनिक उर्वरकों के उपयोग एवं समन्वित प्रबन्धन तथा उर्वरक वितरण व्यवस्था के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट ने गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, भूमिहीन कृषि श्रमिक सम्बल एवं बैलों से खेती योजनाओं की कम प्रगति के सम्बन्ध में सभी को शत-प्रतिशत प्रगति अर्जित करने के साथ-साथ वर्तमान में खड़ी फसलों की कटाई उपरान्त होने वाले नुकसान के सम्बन्ध में बीमित कृषकों को होने वाले क्लेम भुगतान के लिए समय पर सूचना टोल फ्री नम्बर 14447 पर दर्ज करवाने की जानकारी अधिकाधिक कृषकों तक पहुँचाने के निर्देशित किया। बैठक में कृषि सांख्यिकी उपनिदेशक ओमप्रकाश ने फसल कटाई प्रयोग सम्पादन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए पूर्ण सावधानी एवं सटीकता के साथ फसल कटाई प्रयोग सम्पादन के निर्देश दिए।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा शिविर आयोजित होंगे

-10 एवं 12 सितम्बर को 9 गांवों में आयोजित होंगे शिविर

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के शिविरों का आयोजन किया जाएगा। श्रीगंगानगर जिले की कुल 342 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे। 10 एवं 12 सितम्बर को विभिन्न बैंकों द्वारा 9 गांवों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अग्रणी जिला प्रबन्धक मुकेश कुमार जांगडा ने बताया कि 10 सितम्बर को आरजीबी द्वारा रोहिड़ावाली, एसबीआई द्वारा साधुवाली, सांवतसर, श्यामगढ़, यूको द्वारा सरदारगढ़ एवं बीओआई द्वारा सरदारपुरा बीका में शिविर आयोजित किये जायेंगे। इसी प्रकार 12 सितम्बर को बैंक ऑफ बडोदा द्वारा गांव साहिबसिंहवाला में, आईसीआईसीआई द्वारा सरदारपुरा खर्था तथा एसबीआई द्वारा गांव ठाकरी में शिविर आयोजित किये जायेंगे। शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के तहत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण एवं प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत नये खाते खोले जाएंगे तथा निष्क्रिय खातों के लिए री-केवाईसी की जाएगी। आयोजित शिविर स्थल पर आस-पास के नागरिक पहुंचकर लाभ ले सकेंगे।

बैटल ऑफ गलवां सेट से सलमान ने शेयर की तस्वीर

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवां की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर 'बैटल ऑफ गलवां' सेट से एक तस्वीर साझा की है, जो इंटरनेट पर आते ही छा गई है। नेटिजंस इसे बेहद पसंद कर रहे हैं और प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें वो अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग करते दिख रहे हैं। साझा की गई तस्वीर में अभिनेता के माथे से खून बहता दिख रहा है और वो वर्दी पहने नजर आ रहे हैं। साथ ही सलमान के सामने एक्शन के लिए क्लैपरबोर्ड लगा हुआ दिख रहा है।

लाइफ Style

रश्मिका देवराकोंडा संग गुपचुप कर ली सगाई!

एजेंसी ▸▸ मुंबई

रश्मिका मंदाना और विजय देवराकोंडा के इश्क के चर्चे काफी लंबे समय से हैं, पर दोनों ने आज तक अपना रिलेशनशिप खुलकर कन्फर्म नहीं किया है। हालांकि, रश्मिका और विजय को कई बार साथ में देखा गया है।

वेकेशन की तस्वीरों से भी बहुत बार हिंट मिला कि रश्मिका मंदाना और विजय देवराकोंडा एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। लेकिन, अब चर्चा हो रही है कि दोनों ने सगाई कर ली है। क्या वाकई ऐसा है? रश्मिका मंदाना हाल ही साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवाड्‌र्स में शामिल होने के लिए दुबई पहुंचीं। वहां उन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। हालांकि, रश्मिका की खूबसूरती से ज्यादा चर्चा हीरे की अंगूठी की रही। दरअसल, जब रश्मिका मिलान रवाना होने के लिए एयरपोर्ट पहुंचीं, तो उन्होंने उंगली में एक खूबसूरत हीरे की अंगूठी पहनी हुई थी। उसी को देख कयास लगाए जाने लगे कि रश्मिका ने सगाई कर ली है। इसका वीडियो भी सामने आया, जिसे देख यूजर्स सवाल करने लगे। वहीं, कुछ ने एक्ट्रेस को बधाई देनी भी शुरू कर दी। एक यूजर ने वीडियो देख कमेंट लिखा, 'कोई देवराकोंडा का भी हाथ चेक कर लो।' एक ने लिखा, 'बधाई हो, फाइनली।' वहीं, फैंस ने रश्मिका से कहा कि वो सच बता दें। बेशक, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के अफेयर की खबरें काफी समय से हैं, पर इन्हें तब और बल मिला, जब दोनों अगस्त 2025 में न्यूयॉर्क में एक इंडिया डे परेड में एक-दूसरे का हाथ पकड़े देखे गए।

हॉलीवुड मसाला

ब्रेकफास्ट इन... रहा चर्चित एल्बम

लॉस एंजिल्स। कैंसर से लंबी जंग के बाद रिक डेविस ने दुनिया को अलविदा कह दिया। 81 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। साल 2015 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा नाम की बीमारी का पता चला था। रिक डेविस ब्रिटिश बैंड सुपरट्रैम्प के को- फाउंडर रहे, इनके रॉक म्यूजिक बैंड ने 'ब्रेकफास्ट इन अमेरिका' नाम एल्बम निकाला था, जो म्यूजिक चार्ट में अपने समय में टॉप पर रहा। इसके अलावा रिक डेविस ने 'गुडबाय स्ट्रेंजर' और 'ब्लडी वेल राइट' जैसे हिट गाने लिखे और गाए।

द स्टूडियो ने झटकी 9 ट्रॉफी द पेंगुइन ने भी मारी बाजी

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स में 2025 क्रिएटिव आर्ट्स एमी अवाड्‌र्स की पहली रात आयोजित हुई। इसमें 9 ट्रॉफियों के साथ एप्पल टीवी प्लस का 'द स्टूडियो' आगे रहा। एचबीओ के क्राइम ड्रामा 'द पेंगुइन ने 8 अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। वहीं, एप्पल टीवी प्लस के सेवरेंस ने 6 अवॉर्ड जीते हैं। इसमें नैरेटिव कंटेपररी प्रोग्राम के लिए प्रोडक्शन डिजाइन का अवॉर्ड भी शामिल है। दूसरी तरफ नेटफ्लिक्स के आर्केन' ने भी बाजी मारी और 4 अवॉर्ड झटके, जिसमें एक एनिमेटेड प्रोग्राम शामिल है। ब्रायन क्रैन्स्टन (द स्टूडियो), शॉन हैटोसी (द पिट) और जूलियन निकोलसन (हैक्स) उन सितारों में शामिल थे, जिन्हें पीकॉक थिएटर में विनर अनाउंस किया गया।

दिलबरो सिर्फ एक गाना नहीं, एहसास है...

मुंबई। 2018 में रिलीज हुई फिल्म राजी का विदाई गीत 'दिलबरो' आज भी हर शादी की विदाई को भावुक कर देता है। यह गाना केवल एक फिल्मी सीक्वेंस नहीं था, बल्कि एक असली रिश्ते की कसक से बुना हुआ पल था। इस गाने में आलिया भट्ट और उनकी असली मां सोनी राजदान नजर आईं, जहां मां अपनी बेटी को विदा कर रही थीं। 'दिलबरो' सिर्फ एक गाना नहीं, एक एहसास है, हर उस बेटी का जो अपने पिता की उंगली थामकर पली-बढ़ी और एक दिन उनके आंसुओं के साए में विदा हो गई। गीत में दिखाया गया सीन हर उस पिता की बेबसी को सामने लाता है, जो बेटी को पलकें झपकते ही पराई कर देता है। विदाई के समय आंखों में उमड़ते आंसू, हाथों में बेटी का हाथ और सीने में उठता तूफान 'दिलबरो' ने इस दर्द को बिना किसी बनावट के बड़े परदे पर जिंदा कर दिया।

बीच गाने में जोड़ दिया ट्रंप का नाम...

मुंबई। सिंगर-रैपर बादशाह इन दिनों यूएसए के अपने 'अनफिनिश्ड यूएसए टूर' पर हैं, जहां वो उत्तरी अमेरिका में धूम मचा रहे हैं। अपने गानों और रैप से बादशाह अपने कॉन्सर्ट में लोगों को झूमने पर मजबूर कर रहे हैं। इस बीच न्यू जर्सी के हालिया शो में बादशाह ने कुछ ऐसा किया जो अब वायरल हो रहा है। दरअसल, गाने के बीच बादशाह ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र कर दिया। इससे वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए और श्रोता तालियां बजाने लगे। बादशाह कॉन्सर्ट के दौरान फिल्म 'वीरे दी वेडिंग' का हिट सॉन्ग 'तारीफां' गा रहे थे। इसी दौरान बादशाह ने अचानक गाने की एक लाइन में कुछ बदलाव कर दिया और डोनाल्ड ट्रंप का नाम उसमें जोड़ दिया। पहले गाने की असली लाइन 'किन्नियां तारीफां चाहिदी ऐ तेनु जिसका अर्थ है कि तुम्हें कितनी तारीफें चाहिए गा रहे थे।

टीवी मसाला

ठाठ-बाट दिखाने वाली तान्या मित्तल ने खोला घर का सच

नई दिल्ली। रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' इन दिनों सुर्खियों में है। जिसे सलमान खान होस्ट कर रहे हैं। शो की कंटेस्टेंट तान्या मित्तल ने पहली बार अपनी जिंदगी के डार्क साइड के बारे में बताया है। जो तान्या अभी तक चकाचौंध की जिंदगी के बारे में बताती आई हैं। उन्होंने बड़ा खुलासा किया कि वह बचपन में पिता की मार पिटाई झेल चुकी हैं। उनके पिता तो उनकी शादी कर देना चाहती थीं। मगर वह घर से अपने सपनों के लिए लड़ी थीं। तान्या मित्तल ने बताया कि बचपन में उनके पिता उन्हें मारते थे। जिससे वह आत्महत्या करने के बारे में सोचने लगी थीं। कुछ दिन पहले बिग बॉस हाउस में कुनिका सदानंद और तान्या मित्तल के बीच झगड़ा हुआ था। जिसमें तान्या ने कुनिका को काफी भला-बुरा कहा। इसके बाद तान्या की लोगों ने काफी आलोचना भी की। अब कुनिका सदानंद ने एक टास्क के दौरान तान्या मित्तल की मां पर निशाना साधा और उनकी परवरिश पर सवाल उठाए। तान्या अपनी मां का अपमान सहन नहीं कर सकीं और फूट-फूट कर रोने लगीं। रोते हुए तान्या ने कहा- मेरी मां को किसी बहस में घसीटना सही नहीं है। उन्होंने मेरे लिए बहुत कुछ सहा है। मेरे पिता मुझे मारने के लिए दौड़ पड़ते थे और मेरी मां मुझे बचा लेती थीं। आज मैं जिस मुकाम पर हूं। वहां तक पहुंचना मेरे लिए आसान नहीं था।

7.50 लाख के सवाल पर ऑडियंस भी हुई फेल

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति 17 के एक एपिसोड की शुरुआत कंटेस्टेंट अभिषेक के साथ हुई, जो ग्रेजुएशन कर रहे हैं। वे आईएएस अफसर बनना चाहते हैं। वे अपने मां-बाप के साथ एक कमरे में रहते हैं, इसलिए उनका सपना परिवार के लिए एक ड्रीम होम खरीदना है।

कंटेस्टेंट की मां ने बताया कि वे डिस्ट्रिक्ट टॉपर रहे हैं। अमिताभ बच्चन को भी उनका नाम लेने पर खुशी हो रही थी, क्योंकि उनके बेटे का नाम भी अभिषेक (बच्चन) है। अभिषेक ने शुरुआत में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन उन्हें 50 हजार रुपए के सवाल पर पहली लाइफ लाइन संकेत सूचक का इस्तेमाल करना पड़ गया। उन्होंने 1 लाख के सवाल पर दूसरी लाइफ लाइन ऑडियंस पोल का इस्तेमाल करके सही जवाब दिया, हालांकि उन्होंने 2 लाख रुपए के 8वें प्रश्न का जवाब बिना किसी लाइफ लाइन के दिया, जो सही निकला। अभिषेक ने 3 लाख रुपए के सवाल पर तीसरी लाइफ लाइन '50 50' इस्तेमाल की और 5 लाख रुपए 10वें सवाल पर पहुंचे। उन्होंने अगले पड़ाव में सुपर संदूक के 6 सवालों का सही जवाब देकर अपनी लाइफलाइन ऑडियंस पोल का इस्तेमाल किया. 7.50 लाख रुपए के 11वें सवाल पर अभिषेक ने ऑडियंस पोल का इस्तेमाल किया, जो गलत साबित हुआ।

सनी संस्कारी की तुलसी के नए होली सॉन्ग पनवाड़ी की दिखी झलक

मुंबई। जान्हवी कपूर और वरुण धवन की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' दशहरा के अवसर पर 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मंगलवार को निर्माताओं ने फिल्म के गाने 'पनवाड़ी' की एक खास झलक का मोशन पोस्टर शेयर किया है। जिसमें होली के रंग नजर आ रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शन ने आज इंस्टाग्राम पर फिल्म के नए गाने 'पनवाड़ी' की खास झलक शेयर की। इस मोशन पोस्टर में जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित श्रॉफ और वरुण धवन होली के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। इस शानदार मोशन पोस्टर के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'इस त्यौहारी सीजन में, हम आपके लिए रंगों से सराबोर कुछ मजेदार चीजें लेकर आ रहे हैं। पनवाड़ी गाना 10 सितंबर, इस बुधवार को रिलीज होगा।' फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में हिंदी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और मेंटर डिसाइपल फिल्म ने मिलकर किया है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी इस दशहरा 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कभी रिलीज नहीं हुई अमिताभ की यह फिल्म फाइनल हो गई थी रेखा के साथ जोड़ी

मुंबई। एक वक्त था जब अमिताभ बच्चन का किसी फिल्म पर हाथ रख देना उसके हिट होने की गारंटी माना जाता था। बॉलीवुड के एंग्री यंग मैन ने लगभग हर तरह के किरदार किए और आज तक भारतीय सिनेमा जगत में सक्रिय हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि उनकी एक फिल्म ऐसी भी थी, जो बनी तो सही, लेकिन ना कभी एडिट हुई और ना ही सिनेमघरों में रिलीज हुई। बावजूद इसके कि इसका टाइटल अमिताभ की छवि से काफी हद तक मेल खाता था।

स्टार कास्ट हो चुकी थी फाइनल : अमिताभ बच्चन के साथ रेखा, महमूद, मदनपुरी और राकेश रोशन को कास्ट करके उस दौर के कामयाब एक्टर-डायरेक्टर महमूद ने एक फिल्म बनाने का फैसला किया। इस फिल्म का टाइटल सोचा गया - लंबू दादा। अमिताभ बच्चन फिल्म में लीड रोल प्ले करने वाले थे और उनके किरदार को थोड़ा टपोरी फील दिया गया था। महमूद के साथ अमिताभ इससे पहले 'बॉम्बे टू गोवा' बना चुके थे और वह फिल्म हिट रही थी।

क्यों रिलीज नहीं हो सकी फिल्म

ऐसे में अमिताभ बच्चन समेत बाकी एक्टर्स को भी पूरा भरोसा था कि लंबू दादा भी बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर जाएगी। साल 1978 में यह फिल्म अनाउंस हुई और मेकर्स के साथ-साथ क्रू और दर्शक भी इस मूवी के लिए काफी एक्साइटेड थे। लेकिन, यह फिल्म कभी रिलीज ही नहीं हुई। अगर यह फिल्म बनती तो शायद अमिताभ के कॅरियर में एक और नई उपलब्धि जुड़ जाती। दरअसल, यह फिल्म 2 स्टेज में बनाई गई। पहले जब इस पर काम शुरू हुआ और सारी चीजें फाइनल की जा चुकी थी। तब यह फिल्म टाल दी गई।

पूरी तरह बदलकर रिलीज हुई

क्योंकि टाइटल काफी दिलचस्प था तो करीब 10 साल बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। इस बार फिल्म के निर्देशक से लेकर प्रोड्यूसर और स्टार कास्ट तक सब कुछ बदल दिया गया। कहानी में भी काफी बदलाव किए गए। कहा जा सकता है कि एक तरह से पूरी फिल्म ही नई बनाई गई, सिर्फ टाइटल पुराना रखा गया। नई कहानी में कबीर बेदी और माधवी थे, और यह एक छोटे बच्चे और एक क्रिमिनल के कनेक्शन की कहानी थी। नया वर्जन रिलीज हुआ, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर चला नहीं।

अक्षय कुमार और विकी कौशल जैसे स्टार्ट का नाम भी नहीं

टॉप 10 स्टार्स की लिस्ट से गायब शाहरुख, ऋतिक को रणवीर ने पछाड़ा

मुंबई। बॉलीवुड के टॉप 10 एक्टर्स की लिस्ट में शाहरुख खान, अक्षय कुमार और विकी कौशल जैसे स्टार्ट का नाम कहीं नहीं है। वहीं, एक एक्टर ऐसा है जिसमें ऋतिक रोशन, आलिया भट्ट और रणवीर सिंह जैसे एक्टर्स को धूल चटा दी है।

ऋतिक रोशन : इंडिया फोरम ने टॉप 10 बॉलीवुड एक्टर्स की लिस्ट जारी कर दी है। एक से लेकर 8 सितंबर तक के डाटा के आधार पर यह लिस्ट बनाई गई है और इसमें 10वीं पोजिशन मिली है ऋतिक रोशन को।

प्रियंका चोपड़ा : बीते काफी वक्त से हॉलीवुड फिल्में और टीवी शोज कर रहीं प्रियंका चोपड़ा ने अभी तक भारतीय दर्शकों के दिलों में जगह बनाई हुई है। टॉप 10 की लिस्ट में उन्हें 9वीं जगह मिली है।

शिल्पा शेट्टी : शिल्पा शेट्टी कुंद्रा भले ही फिल्मों में जगह ना मिल रही हो, लेकिन दर्शकों ने अभी तक उन्हें अपने दिल में जगह जरूर दी हुई है। लिस्ट में शिल्पा को 8वीं पोजिशन मिली हुई है।

आलिया भट्ट : टॉप 10 की इस लिस्ट में 7वें नंबर पर हैं आलिया भट्ट। आने वाले वक्त में आलिया भट्ट की कई फिल्में आने वाली हैं जिनमें ब्रह्मास्त्र का पार्ट-2 भी शामिल है।

रणबीर कपूर : बैक-टू-बैक कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके रणबीर कपूर को लिस्ट में नंबर 6 पोजिशन मिली है। खबर है कि रणबीर कपूर की फीस भी बीते कुछ महीनों में काफी बढ़ गई है।

रणवीर सिंह : रणबीर कपूर को इस लिस्ट में पटखनी देने का काम किया है एक्टर रणवीर सिंह ने। रणवीर लिस्ट में नंबर 5 पर हैं। धुरंधर मूवी को लेकर रणवीर सिंह चर्चा में हैं, इस फिल्म में धमाकेदार एक्शन होगा और उनके साथ नजर आएंगे संजय दत्त।

दीपिका पादुकोण : शाहरुख खान के साथ फिर एक बार बड़े पर्दे पर नजर आने जा रहीं दीपिका पादुकोण को लिस्ट में चौथी पोजिशन मिली है। मालूम हो कि किंग मूवी में दीपिका फीमेल लीड रोल करती नजर आएंगी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा : रणवीर सिंह, रणबीर कपूर, ऋतिक रोशन, आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स को पछाड़ते हुए सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इस लिस्ट में तीसरी पोजिशन हासिल कर ली है।

कटरीना कैफ : फिल्मों में भले ही नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन विकी कौशल की पत्नी और बॉलीवुड की स्टार एक्ट्रेस कटरीना कैफ आज भी टॉप 10 की लिस्ट में नंबर 2 पर काबिज हैं।

सलमान खान : बात करें टॉप 10 की लिस्ट में पहले पायदान पर काबिज सुपरस्टार की तो यह क्राउन मिला है सलमान खान को। बिग बॉस 19 और गलवान फिल्म की वजह से चर्चा में रहे सलमान लिस्ट में पहले नंबर पर रहे हैं। शाहरुख खान को लिस्ट में 13वीं, विकी कौशल को 15वीं और अक्षय कुमार को 18वीं पोजिशन मिली है।

एशिया कप हॉकी : भारत का आज कोरिया से मुकाबला, जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| हांगझोउ

पूल चरण में शानदार प्रदर्शन कर अविजित रही भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप के सुपर चार चरण के अपने पहले मैच में बुधवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपनी प्रभावशाली लय को जारी रखने की कोशिश करेगी। भारत ने इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार तरीके से करते हुए थाईलैंड को 11-0 से रौंदा, इसके बाद जापान के खिलाफ 2-2 ड्रॉ खेला। भारत ने अपने अंतिम मैच में सिंगापुर को 12-0 से हराकर पूल बी में गोल अंतर के आधार पर जापान से आगे रहते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत इस लय को बनाए रखते हुए खिताब जीतने और अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा।

कोरिया के बाद चीन व जापान से मुकाबला

विश्व रैंकिंग में 10 वें नंबर पर काबिज भारत सुपर चार चरण में विश्व रैंकिंग में 16 वें स्थान की टीम कोरिया के खिलाफ जीत के दावेदार के तौर पर मैदान में उतरेगा। कोरिया के बाद भारत बृहस्पतिवार को खिताब के दावेदार चीन के खिलाफ खेलेगा, उसके बाद शनिवार को जापान से भिड़ेगा। भारत व कोरिया दोनों टीमों के बीच पिछले पांच मुकाबलों में भारत ने तीन बार जीत हासिल की है , जबकि कोरिया ने एक बार विजयी रहा है। एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के पास ऐसे में मनोवैज्ञानिक बढ़त होगी।

भारत की इन खिलाड़ियों पर टिका दारोमदार

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर और मुमताज खान पूल स्टेज में पांच - पांच गोल कर शानदार लय में हैं। उनसे उम्मीद होगी कि वे अपनी लय बरकरार रखते हुए टीम को फाइनल में पहुंचाने में अपना योगदान दे। नवनीत, मुमताज और ललरेमसियामी को सिंगापुर के खिलाफ कोई चुनौती नहीं मिली और उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया। नवनीत और मुमताज ने सिंगापुर के खिलाफ 12-0 की जीत में हैट्रिक जमाई। मिडफील्ड में नेहा, उदिति, शर्मिला और रुतुजा पिसाल ने भी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सुपर चार चरण का ऐसा है शेड्यूल

सुपर चार चरण में भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया एक-दूसरे के खिलाफ एक- क मैच खेलेंगे। तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि बाकी दो टीमें तीसरे और चौथे स्थान के लिए भिड़ेंगी। भारत ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन कर सुपर चार में जगह बनाई है जबकि कोरिया ने पूल ए में दो जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए सुपर चार के लिए क्वालीफाई किया।

टीम के प्रदर्शन से खुश : कोच हरेंद्र

भारत के कोच हरेंद्र सिंह पूल स्टेज में अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश हैं। उन्होंने कहा हम टूर्नामेंट में टीम की शुरुआत से संतुष्ट है। खिलाड़ियों ने कमाल का जज्बा दिखाया है। हमारी टीम आक्रमण कर मौके का पूरा फायदा उठाने में सफल रही है। पूल चरण हमें अपनी गति बनाये रखने के साथ विभिन्न खेल शैलियों के खिलाफ खुद को परखने का अच्छा मौका मिला। सुपर चार चरण में हालांकि एक अलग चुनौती होगी क्योंकि हमें कोरिया, चीन और जापान जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीमों का सामना करना है।

भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन

भारतीय कोच ने कहा हमें पता है कि सुपर चार चरण में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज चीन है। टीम अगर फाइनल में पहुंचने में सफल रही तो वहां भी उसके सामने चीन की चुनौती होने की अधिक संभावना होगी। ऐसे में भारत के सामने कोरिया के खिलाफ मैच के बाद चीन को मात देने के लिए कारगर रणनीति तैयार करने की चुनौती होगी।

खबर संक्षेप

भारत की अगुवाई करेंगे रक्षित और अंशुल

दुबई। मौजूदा अखिल भारतीय एमेच्योर चैंपियन अंशुल मिश्रा और रक्षित दहिया 23 से 26 अक्टूबर तक यहां होने वाली 16वीं एशिया पेसिफिक एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। मौजूदा प्रवेश सूची के अनुसार भारत से दहिया और मिश्रा के अलावा राघव गुलाटी और रणवीर मित्रो भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इन चारों खिलाड़ियों को अच्छा-खासा अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ी को 2026 में मास्टर्स टूर्नामेंट में खेलने का निमंत्रण मिलेगा जबकि उपविजेता खिलाड़ी क्वालीफाइंग सीरीज में भाग लेगा। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के 120 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है।

ट्यूनीशिया ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

ट्यूनिस। मोहम्मद अली बेन रोमधाने के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गए गोल की मदद से ट्यूनीशिया ने इक्वेटोरियल गिनी पर 1-0 से जीत दर्ज करके फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। ट्यूनीशिया को अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए दो मैच बाकी रहते जीत की जरूरत थी। वह ग्रुप एच में आठ मैचों में 22 अंकों के साथ शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान पर मौजूद नामीबिया से 10 अंक आगे है। ट्यूनीशिया ने क्वालीफाइंग में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है। ट्यूनीशिया ने कुल सातवीं और लगातार तीसरी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है। वह विश्व कप में 2018 और 2022 में ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था।

टोनाली ने इटली को विश्व कप क्वालीफाइंग में इजराइल पर जीत दिलाई

डेब्रेसेन। सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फ़ुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इजराइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इटली ने मोइज़ कीन के दो गोल की मदद से बराबरी की। इसके बाद 59वें मिनट में माटेओ पोलिटानो ने माटेओ रेटेगुई ने इटली को बढ़त दिलाई और जियाकोमो रास्पाडोरी ने चौथा गोल किया।

बैजबॉल को लेकर गलतफहमी खिलाड़ियों का अनादर: ब्रेंडन

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वच्छंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है तथा इसको लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है। मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभाली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी।

एशिया कप 2025 : मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से

भारत-यूएई की भिड़ंत आज, दोनों के बीच अब तक हुआ है सिर्फ एक मैच जो भारत ने जीता

एजेंसी ▶▶| दुबई

एशिया कप 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम अपने पहले मैच में यूएई क्रिकेट टीम से आज 10 सितंबर को भिड़ेगी। सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में युवा टीम जोरदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेगी।

दूसरी तरफ मुहम्मद वसीम के नेतृत्व में यूएई की टीम अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए कड़ी चुनौती देने का प्रयास करेगी। भारत और यूएई के बीच होने वाला अगला मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आज 10 सितंबर को भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेला जाएगा।

भारत ने यूएई के खिलाफ जीता है अपना इकलौता मैच

अब तक दोनों देश सिर्फ 1 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आमने-सामने हुए थे, जिसे भारतीय टीम ने जीता था। एशिया कप 2016 की इकलौती भिड़ंत में यूएई की टीम निर्धारित 20 ओवर खेलने के बाद 81/9 का स्कोर बनाया था। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 10.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया था। ढाका में खेले गए उस मुकाबले में भारतीय टीम से रोहित शर्मा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए थे।

जितेश को मिल सकता है मौका

भारतीय टीम से शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत करते हुए दिख सकते हैं। ऐसे में संजू सैमसन बेंच पर नजर आ सकते हैं और आईपीएल 2025 में मैच फिनिशर की भूमिका में नजर आने वाले जितेश शर्मा बतौर विकेटकीपर खेल सकते हैं।

इन पर होंगी नजरें : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने दुबई में 8 टी-20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 36.20 की औसत और 158.77 की स्ट्राइक रेट से 181 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में बुमराह ने दुबई में 4.77 की इकॉनमी रेट के साथ कुल 6 विकेट लिए हैं। वहीं यूएई के कप्तान वसीम ने इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक 13 पारियों में 31.30 की औसत और 156.53 की स्ट्राइक रेट से 407 रन बनाए हैं। यूएई की टीम एक बार फिर अलीशान शराफू और कप्तान मुहम्मद वसीम की सलामी जोड़ी के साथ नजर आ सकती है। हाल ही में त्रिकोणीय टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले वसीम अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का प्रयास करेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत एकादश: शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह।

यूएई एकादश: मुहम्मद वसीम (कप्तान), मुहम्मद जोहैब, आसिफ खान, अलीशान शराफू, राहुल चोपड़ा (विकेटकीपर), हर्षित कौशिक, हैदर अली, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद रोहिद खान, जुनैद सिद्दीकी और सिमरनजीत सिंह।

दलीप ट्रॉफी 2025

ट्रॉफी पर कब्जा जमाने कल साउथ और सेंट्रल जोन में होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला साउथ जोन और सेंट्रल जोन के बीच 11 सितंबर से खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनल साउथ जोन और नॉर्थ जोन के बीच ड्रॉ रहा, जिसमें पहली पारी के आधार पर बढ़त हासिल करने के चलते साउथ जोन ने फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, सेंट्रल जोन और वेस्ट जोन के बीच मुकाबला भी ड्रॉ रहा और बढ़त बनाने वाली सेंट्रल जोन ने खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला 11 सितंबर से 15 सितंबर तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में होगा। यह मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

■ मैच 11 से 15 सितंबर तक बेंगलुरु में सुबह 9:30 बजे से

ऐसा रहा पहला सेमीफाइनल मुकाबला

पहले सेमीफाइनल में साउथ जोन ने एन जगदीशन के बड़े शतक (197) की बदौलत 536 रन बनाए। जवाब में नॉर्थ जोन की टीम शुभम खजूरिया के शतक (128) के बावजूद 361 रन ही बना सकी। बढ़त हासिल करने वाली साउथ जोन ने दूसरी पारी में जब 95/1 का स्कोर बनाया था, तब मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस बीच जगदीशन ने अपनी दूसरी पारी में नाबाद 52 रन बनाए।

रोचक रहा दूसरा सेमीफाइनल

दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन ने रुतुराज गायकवाड़ के शतक (184) की मदद से 438 रन बनाए। जवाब में सेंट्रल जोन ने 600 रन बनाते हुए बढ़त हासिल की। सेंट्रल जोन की ओर से शुभम शर्मा (96), कप्तान रजत पाटीदार (77), उपेंद्र यादव (87), हर्ष दुबे (75) और सारांश जैन (63*) ने अर्धशतक लगाए। इसके बाद वेस्ट जोन ने दूसरी पारी में जब 216/8 का स्कोर बनाया, तब मैच ड्रॉ रहा।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप

भारतीय महिला रिकर्व टीम कांस्य पदक प्लेऑफ में

एजेंसी ▶▶| ग्वांग्जू।

दीपिका कुमारी, गाथा खडके और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व टीम विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में मंगलवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में पहुंच गई लेकिन पुरूष टीम पहले दौर से बाहर हो गई। कंपाउंड तीरंदाज भी दो पदकों से आगे नहीं बढ़ सके। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से 2-6 से हार गई।

कांस्य पदक के लिए द. कोरिया से भिड़ंत

अब कांस्य पदक के लिये भारत का सामना दक्षिण कोरिया से होगा। भारतीय महिला टीम की नजरें 2015 के बाद विश्व चैम्पियनशिप में पहले पदक पर है। भारत ने अभी तक दो पदक जीते हैं और दोनों कंपाउंड वर्ग में मिले है। टीम क्वालीफिकेशन में भारत तीसरे स्थान पर रहकर सीधे दूसरे दौर में पहुंचा।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पुरूष टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता और ऋषभ यादव तथा ज्योति सुरेखा वेन्नम ने मिश्रित टीम में रजत पदक हासिल किया। रिकर्व में महिला टीम की अगुवाई कर रही चार बार की ओलंपियन दीपिका क्वालीफिकेशन में 677 अंक के साथ छठे स्थान पर रही। वहीं 14वीं वरीयता प्राप्त गाथा ने 666 और 30वीं वरीयता प्राप्त अंकिता ने 656 अंक बनाये। तीनों ने शानदार शुरूआत करते हुए दसवीं वरीयता प्राप्त स्लोवेनिया को 5-1 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने तुर्की को मात दी लेकिन सेमीफाइनल में जापान से हार गई।

पुरुष रिकर्व टीम व अन्य का ऐसा रहा हाल

पुरूष रिकर्व टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसे पहले दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क ने हराया। नौवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम में नीरज चौहान (670 अंक, 36वीं वरीयता), ओलंपियन धीरज बोम्मदेवरा (669, 39वीं) और राहुल (657, 62वीं) थे । शूटआफ तक चले मैच में भारतीय टीम 26-28 से हार गई। कंपाउंड वर्ग में ज्योति, परनीत कौर और प्रिथिका प्रदीप के व्यक्तिगत वर्ग में हारने के साथ ही भारतीय चुनौती खत्म हो गई। बीस वर्ष की परनीत कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में कोलंबिया की अलेजांद्रा से 144-145 से हारकर चौथे स्थान पर रही।

निकहत जरीन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी ▶▶| लिवरपूल

दो बार की चैंपियन निकहत जरीन ने मंगलवार को जापान की युना निशिनाका को कड़े मुकाबले में हराकर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ड्रॉ में गैर वरीयता प्राप्त निकहत ने महिलाओं के 51 किग्रा भार वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सर्वसम्मत फैसले में जीत हासिल की। हालांकि यह स्कोर 21 वर्षीय निशिनाका द्वारा दी गई कड़ी टक्कर को नहीं दर्शाता। निशिनाका ने लगातार भारतीय मुक्केबाज को परेशान किया और जरूरत से ज्यादा पकड़ बनाए रखने के कारण उनके दो अंक काटे गए। भारत की 20 सदस्यीय टीम के आधे

से अधिक खिलाड़ी प्रतियोगिता से बाहर हो चुके हैं। दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामक शुरुआत की और पूरे इरादे के साथ आगे बढ़ीं। निकहत ने शुरुआत में कुछ हुक लगाए लेकिन जापान की मुक्केबाज ने 3-2 से बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में निकहत ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बेहतर मुक्के जड़े। भारत की 29 वर्षीय मुक्केबाज ने तीखे जवाब दिए और राउंड 4-1 से जीत लिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी के साथ हांगकांग ओपन में आगे बढ़े जॉर्ज

एजेंसी ▶▶| हांगकांग

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया।

अब जापान व सिंगापुर से होगा मुकाबला

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अब जापान के केनया मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा तथा थाईलैंड के पीरचाई सुखफुन और पक्कापोन टीरारत्सुकुल के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। विश्व रैंकिंग में 8वें स्थान पर काबिज किरण का अगला मुकाबला सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह से होगा।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट : करीम ने 25 को भेजा पेवेलियन

स्टंपिंग में माहिर धोनी ने किए सबसे ज्यादा 34 शिकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेटकीपर की भूमिका सिर्फ स्टंपिंग और कैच तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उनकी फुर्ती और तेजी मैच का रुख बदलने में अहम साबित होती है। कई दिग्गज विकेटकीपर अपने करियर में इतने शिकार कर चुके हैं कि उनके रिकॉर्ड तोड़ना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे में आइए उन विकेटकीपर पर एक नजर डालते हैं, जिन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा शिकार किए हैं।

क्विंटन डिकॉक (102 शिकार)

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी क्विंटन डिकॉक के नाम टी-20 अंतरराष्ट्रीय में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा शिकार का रिकॉर्ड है। एक दशक से अधिक लंबे करियर में उन्होंने विकेट के पीछे 102 शिकार किए हैं, जिसमें 84 कैच और 18 स्टंपिंग शामिल हैं। इस खिलाड़ी ने 92 मुकाबलों की 91 पारियों में ये शिकार किए हैं। डिकॉक एकमात्र विकेटकीपर हैं, जिन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 100 से ज्यादा शिकार किए हैं। डिकॉक 2012 से 2024 तक ये प्रारूप खेले।

महेंद्र सिंह धोनी (91 शिकार)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी सूची में दूसरे स्थान पर 90 से ज्यादा शिकार करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर हैं। उन्होंने साल 2006 में अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था।

उमरजई का तूफ़ानी अर्धशतक, अफगानिस्तान ने एशिया कप का आगाज़ जीत से किया

अबु धाबी (एजेंसी)। अबु धाबी में खेले गए एशिया कप 2025 के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान ने शानदार जीत दर्ज की। टीम ने हॉन्ग कॉन्ग चाइना को 94 रन से मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 188 रन बनाए। इस मैच में अजमतुल्लाह उमरजई ने इतिहास रच दिया। उन्होंने सबसे तेज़ फिफ्टी लगाकर अफगानी क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराया। वहीं पारी की पहली ही गेंद पर सेदिकुल्लाह अटल ने चौका जड़कर धमाकेदार शुरुआत की। अटल को इस दौरान किस्मत का साथ भी मिला और उन्हें तीन जीवनदान मिले। हॉन्ग कॉन्ग की फील्डिंग बेहद खराब रही। टीम ने कुल 5 कैच टपकाए, जिससे अफगानी बल्लेबाज़ों को बड़े शॉट खेलने का भरपूर मौका मिला।

सीपी राधाकृष्णन बने देश के 15वें उपराष्ट्रपति

-452 वोट से जीते, विपक्षी उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को हराया

नई दिल्ली। भारत के संसदीय इतिहास में मंगलवार का दिन एक और महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आया, जब एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को देश का 15वां उपराष्ट्रपति चुना गया। यह चुनाव कई मायनों में दिलचस्प रहा—एक तरफ सत्ता पक्ष की रणनीति और संख्याबल की ताक़त नजर आई, वहीं विपक्ष के भीतर दरार और क्रॉस वोटिंग की हकीकत भी सामने आ गई।

चुनाव का गणित और नतीजे

इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 788 सांसद वोट डालने के हकदार थे, जिनमें से 767 सांसदों ने मतदान किया। यानी लगभग 98.2% की रिकॉर्ड वोटिंग हुई। नतीजों में सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी I.N.D.I.A. गठबंधन के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए। वहीं, 15 वोट अमान्य घोषित कर दिए गए। यहां सबसे बड़ा सवाल वोटों के अंतर का रहा। एनडीए खेमे के पास शुरू में 427 सांसदों का समर्थन था। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसद भी राधाकृष्णन के पक्ष में आ गए थे। यानी कुल मिलाकर उनका आंकड़ा 438 वोट तक पहुंचता था। लेकिन नतीजों में उन्हें 452 वोट मिले, यानी 14 वोट ज्यादा। इससे साफ है कि विपक्षी खेमे से भी कम से कम 14 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की।

क्रॉस वोटिंग का रहस्य

भाजपा ने दावा किया है कि विपक्ष के कुछ सांसदों ने जानबूझकर अमान्य वोट भी डाले और करीब 15 ने खुलकर एनडीए प्रत्याशी का साथ दिया। विपक्ष का कहना है कि उनके सभी 315 सांसद एकजुट रहे, लेकिन परिणाम कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। यह क्रॉस वोटिंग एक बड़ा संदेश देती है कि विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A. अभी भी आंतरिक मतभेदों से जूझ रहा है। खासकर छोटे दलों और क्षेत्रीय नेताओं के स्तर पर एकरूपता की कमी सामने आई है।

सीपी राधाकृष्णन का राजनीतिक सफर

सीपी राधाकृष्णन का राजनीतिक सफर काफी दिलचस्प और संघर्षों से भरा रहा है। वे तमिलनाडु की राजनीति से आते हैं और अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में दो बार कोयंबटूर से सांसद चुने गए। वे संगठन और जनता दोनों से जुड़े नेता माने जाते हैं। राजनीति में उनका चेहरा साफ-सुथरा और मिलनसार छवि वाला माना जाता है। लंबे समय से भाजपा उन्हें दक्षिण भारत में एक मजबूत चेहरा बनाने की कोशिश करती रही है।

मंत्री बनने से चूक

राधाकृष्णन की जिंदगी में एक दिलचस्प किस्सा भी जुड़ा हुआ है। एक समय ऐसा भी आया जब वे केंद्रीय मंत्री बनने के बेहद करीब थे। पार्टी नेतृत्व ने उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया, लेकिन एक जैसे नाम की वजह से गड़बड़ी हो गई। उनकी जगह पोन राधाकृष्णन को मंत्री पद सौंप दिया गया। यह घटना तमिलनाडु की राजनीति में अक्सर चर्चा का विषय बनी रहती है।

उपराष्ट्रपति पद तक का सफर

राधाकृष्णन ने संगठनात्मक राजनीति में भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। वे तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। केंद्र में मंत्री न बन पाने के बावजूद उन्होंने पार्टी की सेवा से दूरी नहीं बनाई, बल्कि लगातार जनसंपर्क और संगठन को मजबूत करने का काम करते रहे। अब जब वे देश के उपराष्ट्रपति चुने गए हैं, तो यह न केवल उनकी व्यक्तिगत जीत है, बल्कि भाजपा और एनडीए के लिए भी एक बड़ी रणनीतिक उपलब्धि है। उपराष्ट्रपति का पद राज्यसभा के सभापति का भी होता है, इसलिए संसद की कार्यवाही पर उनकी भूमिका बेहद अहम होगी।

संदेश और असर

यह चुनाव कई राजनीतिक संदेश भी देता है। एनडीए की ताक़त – संख्याबल और रणनीति के जरिए एनडीए ने एकतरफा जीत हासिल की। विपक्ष की कमजोरी – क्रॉस वोटिंग ने दिखा दिया कि विपक्षी एकता फिलहाल खोखली है। दक्षिण भारत में भाजपा का विस्तार – राधाकृष्णन की जीत दक्षिण भारत में भाजपा के लिए एक सकारात्मक संदेश है, क्योंकि उन्हें तमिलनाडु से राष्ट्रीय राजनीति में पहचान मिली है। सीपी राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद तक की यात्रा बताती है कि राजनीति में धैर्य, निष्ठा और निरंतरता का महत्व कितना बड़ा है। एक समय नाम की वजह से मंत्री पद से चूक गए नेता ने आज देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद पर पहुंचकर इतिहास रच दिया। उनकी यह जीत न सिर्फ भाजपा के लिए, बल्कि पूरे एनडीए खेमे के लिए एक मनोबल बढ़ाने वाली उपलब्धि है। साथ ही यह चुनाव विपक्ष के लिए आत्ममंथन का मौका भी लेकर आया है, क्योंकि उनकी एकता की हकीकत अब खुलकर सामने आ चुकी है।

चुनाव आयोग की राज्य अधिकारियों के साथ अहम बैठक

-वोटर्स वेरिफिकेशन पर गहन चर्चा

नई दिल्ली। भारत में लोकतंत्र की मज़बूती का सबसे बड़ा आधार चुनावी प्रक्रिया है। हर नागरिक का सही तरीके से मतदाता सूची में पंजीकरण और सटीक पहचान सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी मानी जाती है। इसी कड़ी में बुधवार को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (Chief Election Commission-er) ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग और देशभर के राज्य चुनाव अधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक का मुख्य एजेंडा था – स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) यानी वोटर्स वेरिफिकेशन की तैयारियां। बैठक में आयोग के सीनियर अधिकारियों ने पॉलिसी संबंधी प्रजेंटेशन दिए और राज्यों से उनके अनुभव तथा चुनौतियां साझा करने को कहा गया। खासतौर पर बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य में किस तरह से SIR लागू किया गया और मतदाताओं की पहचान व सत्यापन की प्रक्रिया को संचालित किया गया।

वोटर्स वेरिफिकेशन क्यों ज़रूरी?

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता ही चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को तय करती है। आयोग का मानना है कि अभी भी कई राज्यों की वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट नाम, मृतकों के नाम या फिर अवैध प्रवासियों के नाम दर्ज हैं। ऐसे में विशेष सत्यापन अभियान (SIR) इन त्रुटियों को दूर करने का साधन बनेगा। इस प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य यह भी है कि जन्म स्थान और पहचान की जांच कर अवैध प्रवासियों को सूची से बाहर किया जा सके। खासकर उन राज्यों में जहां सीमाई इलाकों से लगातार घुसपैठ की आशंका बनी रहती है, वहां SIR बेहद अहम माना जा रहा है।

बिहार मॉडल का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार

बैठक में बताया गया कि बिहार में आयोग ने इस अभियान की शुरुआत की और इसे लेकर सकारात्मक अनुभव सामने आए हैं। अब आयोग चाहता है कि बिहार मॉडल को पूरे देश में लागू किया जाए। इस साल के अंत में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं। इन राज्यों में विधानसभा चुनाव वर्ष 2026 में होंगे। इससे पहले आयोग वहां मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना चाहता है।

आधार कार्ड को 12वां पहचान दस्तावेज

इस बैठक से एक दिन पहले ही चुनाव आयोग ने बिहार राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर यह निर्देश दिया कि अब से आधार कार्ड को मतदाताओं की पहचान के लिए 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

मतदाता पहचान के लिए पहले से 11 दस्तावेज मान्य थे, जैसे –

वोटर आईडी कार्ड
पासपोर्ट
ड्राइविंग लाइसेंस
पैन कार्ड
राशन कार्ड आदि

अब इन 11 दस्तावेजों के साथ आधार कार्ड को भी शामिल कर लिया गया है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के 8 सितंबर 2025 के आदेश के बाद लिया गया है। अदालत ने साफ कहा था कि आधार कार्ड को वैध पहचान पत्र के रूप में स्वीकार किया जा सकता है, बशर्ते इसे अनिवार्य न बनाया जाए।

वोटर्स वेरिफिकेशन से जुड़ी चुनौतियां

हालांकि वोटर्स वेरिफिकेशन की प्रक्रिया सरल नहीं है। इसके सामने कई चुनौतियां हैं, जैसे – ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी – कई लोग दस्तावेज उपलब्ध कराने में लापरवाह रहते हैं। प्रवासियों की समस्या – जो लोग रोज़गार के लिए दूसरे राज्यों में रहते हैं, उनके नाम अक्सर सूची से छूट जाते हैं। तकनीकी दिक्कतें – कई बार ऑनलाइन सिस्टम या सर्वर की समस्याओं से सत्यापन कार्य प्रभावित होता है। राजनीतिक विवाद – अवैध प्रवासियों के नाम हटाने को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी देखने को मिल सकते हैं।

ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल और प्राथमिकताएं

फरवरी 2025 में पदभार संभालने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की यह तीसरी बड़ी समीक्षा बैठक थी। उन्होंने साफ किया कि आयोग की प्राथमिकता यही है कि 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची को शुद्ध और विश्वसनीय बनाया जाए।

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और गुजरात में बाढ़ और बारिश की तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कई राज्य इस समय प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे हैं। कहीं बाढ़ ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है तो कहीं लगातार बारिश और लैंडस्लाइड ने परिवहन व्यवस्था को ठप कर दिया है। पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और गुजरात में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं।

पंजाब: 2000 से ज्यादा गांव जलमग्न

पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य के करीब 2000 गांवों में अभी भी पानी भरा हुआ है। खेत-खलिहान डूब चुके हैं और हजारों किसान परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। बाढ़ से सड़कें और पुल टूट गए, जिससे राहत पहुंचाना भी मुश्किल हो रहा है। केंद्र सरकार ने पंजाब को ₹1600 करोड़ की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। राज्य सरकार ने राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं, लेकिन अब भी कई गांव ऐसे हैं जहां नावों से ही लोगों तक भोजन और जरूरी सामान पहुंचाया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर बारिश का सिलसिला नहीं रुका तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर: 16 दिन बाद खुला जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे

जम्मू-कश्मीर में भी प्राकृतिक आपदा ने बड़ा असर डाला है। जम्मू घाटी की लाइफलाइन कहे जाने वाले जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे को लगातार लैंडस्लाइड के कारण 16 दिनों तक बंद रखा गया। इस दौरान कश्मीर घाटी में आवश्यक वस्तुओं और फलों की सप्लाई ठप हो गई थी। बुधवार को इसे आखिरकार दोबारा से खोल दिया गया। सबसे ज्यादा नुकसान रामबन और उदयपुर जिलों में हुआ है। सड़क बहाल होने से अब कश्मीर घाटी में बाजारों में फिर से रौनक लौटने लगी है। हालांकि, लद्दाख से एक दुखद खबर भी आई। सियाचिन बेस कैंप में हिमस्खलन की चपेट में आने से 3 जवान शहीद हो गए। सेना ने राहत और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा है।

हरियाणा: सामान्य से 46% ज्यादा बारिश

हरियाणा में इस साल बारिश ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 9 सितंबर तक राज्य में सामान्य से 46% ज्यादा बारिश हो चुकी है। जहां औसतन 385.1 मिमी बारिश दर्ज की जाती थी, वहीं इस बार 563.8 मिमी बारिश दर्ज हुई है। सबसे ज्यादा बारिश यमुनानगर जिले में हुई है, जहां अब तक 1080.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश से कई निचले इलाके डूब गए हैं और किसानों की फसलें खराब हो गई हैं। सरकार ने राहत सामग्री बांटने और अस्थायी शेल्टर बनाने की व्यवस्था की है।

गुजरात: बनासकांठा समेत 3 जिलों में तबाही

गुजरात के बनासकांठा समेत तीन जिलों में बीते दो दिनों में 16 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इससे वाव-थराद और सुईगाम तालुकों में भारी बाढ़ आ गई है। तीनों तालुकों के दर्जनों गांवों में 5 फीट तक पानी भर गया है।

नेपाल के बाद फ्रांस में भी सरकार विरोधी प्रदर्शन: 1 लाख लोग सड़कों पर, मैक्रों के इस्तीफ़े की मांग

-फ्रांस की सड़कों पर उबाल- बजट कटौती बना वजह

पेरिस (एजेंसी)। नेपाल में हालिया अशांति और विरोध प्रदर्शनों के बाद अब फ्रांस में भी हालात बिगड़ते नज़र आ रहे हैं। बुधवार को राजधानी पेरिस समेत कई बड़े शहरों की सड़कों पर 1 लाख से ज्यादा लोग सरकार की नीतियों के खिलाफ उतर आए। ये प्रदर्शन मुख्य रूप से बजट में कटौती और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफ़े की मांग को लेकर किए जा रहे हैं।

प्रदर्शन की शुरुआत और जनता की नाराज़गी

फ्रांस में पिछले कुछ महीनों से सरकार द्वारा घोषित आर्थिक सुधारों और बजट कटौती के खिलाफ धीरे-धीरे नाराज़गी बढ़ रही थी। स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कई क्षेत्रों के बजट में कमी की घोषणा ने आम नागरिकों को गुस्से से भर दिया। लोगों का कहना है कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, रोज़गार के अवसर घट रहे हैं और ऐसे में बजट कटौती से गरीब और मध्यमवर्गीय तबका और अधिक मुश्किलों में फंस जाएगा।

मैक्रों के इस्तीफ़े की मांग

प्रदर्शनकारियों का गुस्सा सिर्फ बजट पर ही सीमित नहीं है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति मैक्रों ने जनता के हितों को नज़रअंदाज़ किया है। कई समूह खुले तौर पर उनके इस्तीफ़े की मांग कर रहे हैं। मैक्रों पहले भी पेंशन सुधार और श्रम कानूनों को लेकर विरोध का सामना कर चुके हैं। लेकिन इस बार नाराज़गी ज्यादा गहरी है, क्योंकि आर्थिक हालात आम नागरिकों की ज़िंदगी को सीधे प्रभावित कर रहे हैं।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़प

बुधवार को हुए प्रदर्शनों में कई जगह हालात हिंसक हो गए। पेरिस, ल्यों और मार्सेई जैसे बड़े शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर आगजनी की और कई वाहनों को नुकसान पहुँचाया। सरकार ने हालात को संभालने के लिए 80 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया। कई जगहों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर झड़प हुई। आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की गई। अब तक 200 से ज्यादा उपद्रवियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

फ्रांस की सड़कों पर गुस्से का माहौल

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे तब तक आंदोलन जारी रखेंगे, जब तक सरकार बजट कटौती को वापस नहीं ले लेती और राष्ट्रपति इस्तीफ़ा नहीं देते। सड़क पर मौजूद एक प्रदर्शनकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा – "हम लोग काम करते हैं, टैक्स देते हैं, लेकिन सरकार हमारे बच्चों की शिक्षा और हमारे बुज़ुर्गों की स्वास्थ्य सुविधाओं में कटौती कर रही है। यह अन्याय है।"

सरकार का रुख

सरकार का कहना है कि बजट कटौती देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए आवश्यक है। यूरोपीय संघ की वित्तीय बाध्यताओं और बढ़ते घाटे को ध्यान में रखते हुए ये कदम उठाना पड़ा है।

हालांकि, विरोध के बीच सरकार फिलहाल किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं दे रही है।

नेपाल से समानताएँ

नेपाल में हाल ही में हुए युवाओं के प्रदर्शनों और वहां फैली अराजकता के बाद अब फ्रांस में जनता का आक्रोश यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर जनता सरकारों की नीतियों के प्रति ज्यादा जागरूक और मुखर हो चुकी है। नेपाल में जहां प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के इस्तीफ़े की मांग कर रहे थे, वहीं फ्रांस में राष्ट्रपति मैक्रों को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है।

आगे क्या?

फ्रांस में हालात अभी नियंत्रण में तो हैं, लेकिन स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है।

अगर आने वाले दिनों में सरकार जनता की मांगों को नज़रअंदाज़ करती रही, तो यह आंदोलन और बड़ा रूप ले सकता है। यूरोप के अन्य देशों में भी आर्थिक संकट और बजट कटौती को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। ऐसे में फ्रांस का यह विरोध पूरे महाद्वीप में लहर पैदा कर सकता है। नेपाल के बाद फ्रांस में भी जनता की नाराज़गी ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ को नज़रअंदाज़ करना सरकारों के लिए बेहद महँगा साबित हो सकता है। फ्रांस की सड़कों पर 1 लाख से ज्यादा लोगों का उतरना, 80 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती और 200 से ज्यादा उपद्रवियों की गिरफ्तारी यह बताती है कि हालात गंभीर हैं। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि राष्ट्रपति मैक्रों किस तरह से इस संकट का समाधान निकालते हैं – क्या वे जनता की बात सुनेंगे, या फिर टकराव और गहराएगा।

नेपाल का संकट: सेना के कंट्रोल में देश, लेकिन हिंसा जारी

-सुप्रीम कोर्ट में आगजनी, 25 हजार केस फाइलें खाक

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल इन दिनों गहरी राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल से गुजर रहा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन अब देशव्यापी हिंसा में बदल गया है। मंगलवार रात 10 बजे से नेपाल की बागडोर सेना के हाथों में चली गई है, लेकिन हालात अभी भी काबू में नहीं आ पाए हैं। राजधानी काठमांडू से लेकर कई अन्य जिलों तक लगातार तनाव, हिंसा और आगजनी की खबरें सामने आ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट में आग, 25 हजार फाइलें खाक

मंगलवार शाम प्रदर्शनकारियों ने नेपाल सुप्रीम कोर्ट को निशाना बनाते हुए वहां आग लगा दी। इस आगजनी में करीब 25 हजार से अधिक केस फाइलें जलकर राख हो गईं। यह घटना सिर्फ कानून व्यवस्था पर सवाल नहीं खड़े करती, बल्कि न्यायपालिका के इतिहास का एक बड़ा नुकसान भी है। कई महत्वपूर्ण मुकदमों से जुड़ी फाइलें, दस्तावेज और सबूत हमेशा के लिए नष्ट हो गए हैं।

सेना की सख्ती और गिरफ्तारियां

हालात बिगड़ने पर सेना ने मोर्चा संभाल लिया और रात 10 बजे से पूरे देश का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। बुधवार सुबह सेना ने कार्रवाई करते हुए 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया। सेना का आरोप है कि ये लोग आंदोलन की आड़ में लूटपाट, तोड़फोड़, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों के पास से पुलिस और सेना ने 33.7 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा 23 बंदूकें, कई मैगजीन और गोलियों समेत 31 तरह के अलग-अलग हथियार भी जब्त किए गए हैं। इससे साफ होता है कि आंदोलन धीरे-धीरे एक संगठित हिंसक रूप लेता जा रहा है।

सोशल मीडिया पर बैन

नेपाल सरकार ने हालात को देखते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अस्थायी बैन लगा दिया है। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया के जरिए अफवाहें और भड़काऊ संदेश फैलाए जा रहे थे, जिससे भीड़ और अधिक हिंसक हो रही थी। हालांकि, इस कदम की आलोचना भी हो रही है और विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार जनता की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

पीएम केपी शर्मा ओली का इस्तीफा

इस संकट का सबसे बड़ा राजनीतिक असर यह हुआ कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है। वे काठमांडू भी छोड़ चुके हैं। ओली पर लंबे समय से भ्रष्टाचार और तानाशाही जैसे आरोप लग रहे थे। जनता का गुस्सा खासतौर पर उनके कार्यकाल को लेकर ही फूटा था। उनके इस्तीफे के बावजूद आंदोलन थमा नहीं है, बल्कि अब यह सत्ता परिवर्तन से आगे बढ़कर व्यवस्था परिवर्तन की मांग में बदल चुका है।

मौतें और घायल

अब तक की घटनाओं में 23 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। अस्पतालों में घायलों की भीड़ लगी हुई है। कई जगह डॉक्टरों और नर्सों को भी सुरक्षा कारणों से काम करने में दिक्कत हो रही है। आम लोग दहशत में हैं और जरूरी सामानों की कमी भी महसूस की जा रही है।

जनता की मांग और आंदोलन का असली कारण

नेपाल में यह आंदोलन अचानक नहीं भड़का। पिछले कई सालों से जनता भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता से परेशान है। 2008 में राजतंत्र खत्म होने के बाद से अब तक नेपाल में 15 से ज्यादा सरकारें बदल चुकी हैं। स्थिरता और विकास का सपना अभी तक पूरा नहीं हुआ। युवाओं में यह गुस्सा खास तौर पर ज्यादा है। वे मानते हैं कि नेताओं ने सिर्फ अपने हित साधे हैं और देश को पीछे धकेला है। यही वजह है कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने तेजी से पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले लिया।

आगे का रास्ता

सेना के नियंत्रण में आने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि हालात संभल जाएंगे, लेकिन अभी भी कई जिलों में हिंसा जारी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल सख्ती से हालात नहीं सुधरेंगे। इसके लिए एक ठोस राजनीतिक समाधान और जनसंवाद की जरूरत होगी। नेपाल की न्यायपालिका, कार्यपालिका और सेना — तीनों पर इस समय भारी दबाव है। सुप्रीम कोर्ट की फाइलों का जलना न्याय व्यवस्था के लिए गहरी चोट है। प्रधानमंत्री का इस्तीफा राजनीतिक अस्थिरता को और गहरा कर गया है। सेना का नियंत्रण यह दिखाता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था फिलहाल हाशिये पर है।

इजराइल का कतर की राजधानी दोहा पर हमला

-हमास लीडर बच निकले, 6 की मौत

दोहा (एजेंसी)। मध्य-पूर्व की राजनीति और तनाव ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया, जब इजराइल ने कतर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं पर हवाई हमला किया। इस हमले का मुख्य निशाना हमास के सीनियर लीडर खलील अल-हय्या थे। हालांकि, वे इस हमले में बाल-बाल बच गए, लेकिन कम से कम 6 अन्य लोगों की मौत हो गई।

हमला और उसका लक्ष्य

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला उस वक्त हुआ जब हमास नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आंतरिक चर्चा कर रहे थे। इजराइली सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने दावा किया कि हमला बेहद सटीक (प्रिसीजन स्ट्राइक) तरीके से उन नेताओं पर किया गया, जो लंबे समय से हमास की गतिविधियों को संचालित कर रहे थे। इजराइली सेना ने साफ कहा कि ये वही नेता हैं जो 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार थे। उस हमले ने इजराइल-हमास युद्ध को नई आग दी थी और आज तक उसका असर जारी है।

नेतन्याहू का बयान

हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आधिकारिक तौर पर इसकी जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा, चाहे इसके लिए किसी भी देश में जाकर दुश्मनों को निशाना बनाना पड़े। नेतन्याहू का यह बयान कड़ा संदेश माना जा रहा है कि इजराइल अब हमास को सिर्फ गाजा या लेबनान में ही नहीं, बल्कि जहां कहीं भी उनके नेता मौजूद होंगे, वहां तक जाकर उन्हें मारने की रणनीति पर चल रहा है।

कतर में हमले के मायने

कतर लंबे समय से हमास के राजनीतिक नेताओं और उनके परिवारों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना माना जाता है। खासकर दोहा को हमास की डिप्लोमैटिक गतिविधियों का केंद्र कहा जाता है।

इसी वजह से इजराइल का यह कदम कई अंतरराष्ट्रीय सवाल खड़े कर रहा है –

क्या यह हमला कतर की संप्रभुता का उल्लंघन माना जाएगा?

क्या कतर, जो अमेरिका और पश्चिमी देशों का अहम सहयोगी है, इस हमले के बाद इजराइल के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगा? या फिर यह घटना अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को पूरी तरह पटरी से उतार देगी?

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

हालांकि अभी तक कतर की सरकार की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि यह हमला पूरे मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ा देगा। अमेरिका, जिसने हाल ही में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम की कोशिशें तेज की थीं, अब मुश्किल स्थिति में आ गया है। क्योंकि हमला उस वक्त हुआ, जब हमास नेता उसी अमेरिकी प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे थे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,